डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 जनवरी 2025
गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

Page-7

महाकुंभ में डुबकियों का सिलसिला जारी, भगदड़ मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

मेलाक्षेत्र अपेक्षाकृत शांत, सीमाओं पर फंसे लाखों लोग

प्रयागराज, एजेंसी

कल की हृदय विदारक घटना के बाद आज महाकुंभ का 18वां दिन अपेक्षाकृत 'शांत' है। हालांकि भोर से ही श्रद्धालुओं के स्नान के सिलसिला चल रहा है। सुबह दस बजे तक ही करीब 60 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। वहीं कल भगदड के हादसे के बाद भी शाम तक करीब आठ करोड़ लोगों ने स्नान किया। वहीं हादसे से सबक लेते हुए अब उप्र सरकार ने पिछले कुंभ में तैनात रहे अफसरों को तत्काल से बुलाया है, ताकि व्यवस्थाएं और बेहतर की जा सकें। इधर, सुप्रीम कोर्ट में भगदड़ को लेकर जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें भगदड़ पर यूपी सरकार से स्टेटस रिपोर्ट और जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि कल तड़के मौनी अमावस्या पर भगदड़ मच गई थी। हादसे में 30 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। जबकि 60 घायल हुए हैं। आज महाकुंभ में भीड़ अपेक्षाकृत कम नजर आई है। इसकी वजह यह भी मानी जा रही है कि प्रयागराज की सीमाओं व पडोसी राज्यों की सीमाओं पर भी श्रध्दालुओं को रोककर रखा गया है। इसमें हजारों वाहन व लाखों लोग कल से फंसे हैं। खबरों के मुताबिक कल भी भगदड़ के बाद भी एक भगदड़ मची थी। इसका खुलासा कल रात हुआ। इसमें ओल्ड जीटी रोड की तरफ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु जब मेला क्षेत्र आ रहे थे तब मुक्ति मार्ग से एक महामंडलेश्वर की गाड़ी गुजरी। इस दौरान 2-3 महिलाएं वहां गिर पड़ीं। गाड़ी महिलाओं को रौंदते हुए निकल गई। इसके बाद भगदड़ जैसी स्थिति हो गई। इसमें 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक बच्ची भी थी।पुलिस का कहना है कि गाड़ी बैक करने के दौरान 5 लोग घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

गलत फैसलों पर निगाहें

इधर, मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कल के हादसे की वजह गलत फैसले भी हैं। यह सिलसिला तो 27 जनवरी से शुरू था, मगर 29 को मौनी अमावस्या पर जब मेले में 1.6 करोड़ लोग पहुंच चुके थे, पांटून पुलों पर भी भीड़ थी। तब मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने भीड़ का मूवमेंट रोकने को कहा तथा ब्रिज -7 को अचानक बंद कर दिया गया। पांच घंटे तक फंसे रहने के बाद भीड़ का सब्र टूट गया। भीड़ ने देखा कि एसडीएम की गाड़ी के लिए पुल खोला जा रहा है तो लोग भड़क गए। गाड़ी की तरफ भीड़ बढ़ी तो अफसरों से धक्का-मुक्की हुई तब भीड़ का गुस्सा बढ़ता देख पांटून ब्रिज नंबर- 13, 14, 15 को खोल दिया गया। हालांकि, ऐसे कई वीडियोज सामने आए है, जिसमें लोग वीआईपी मूवमेंट की वजह से कई किलोमीटर पैदल चलने की शिकायत करते नजर आ रहे थे। दरअसल 27-28 जनवरी को भी वीआईपी मूवमेंट के चलते ज्यादातर पांटून पुल बंद थे। तब गृह मंत्री अमित शाह, बाबा रामदेव, अरुणाचल प्रदेश के गृहमंत्री मामा नातुंग, किरन रिजिजू, मिलिंद सोमन, अरुण गोविल, अमेरिकी रॉक बैंड कोल्डप्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन आदि पहुंच रहे थे। इससे आम लोगों को कई किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर होना पड़ा।

मप्र के यात्रियों की व्यवस्था के निर्देश

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कोबे (जापान) से आज मुख्य सचिव अनुराग जैन से फोन पर बात की और मध्यप्रदेश की सीमा से प्रयागराज कुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज में भगदड के बाद भारी संख्या में लोग मप्र व उप्र की सीमा पर फंसे हैं, यहां वाहनों की लंबी कतारें भी हैं।

केवल केजरीवाल पाक साफ बाकी नापाक

मतदान के मुहाने पर दस्तक दे रही दिल्ली में केजरीवाल ने हरियाणा की सरकार पर यमुना में जहरीला पानी पिलाने की साजिश का आरोप मढ़कर सियासी माहौल के बेहद गंदे हालात में पहुंचा दिया है। वे कह रहे हैं कि वो दिल्ली जल बोर्ड के इंजीनियरों ने सतर्कता दिखाई और पानी को दिल्ली आने से रोक दिया। ऐसा आरोप जड?र केजरीवाल ने पानी की कमी से जूझ रही उत्तरी दिल्ली की जनता से पल्ला झाड़ लिया और सारा दोष हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार पर मढ़ डाला।

ये वह केजरीवाल हैं जिन्होंने पांच साल पहले यमुना को इतना साफ बनाने वादा किया था उसमें लोग डुबकी लगा सकेंगे। उन्होंने खुद भी यमुना में डुबकी लगाने की बात कही थी। केजरीवाल कलाकारी में इतने माहिर है कि सारी गल्तियों का ठीकरा विरोधियों पर मढ़र खुद को पाक साफ और देश के सबसे ईमानदार नेता बताने में जरा भी देर नहीं करते। जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी तो वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए पंजाब को जिम्मेदार बता देते थे। लेकिन जब से पंजाब में आप की सरकार बनी तो वहां से दिल्ली की हवा को प्रदूषित करने के आरोप बंद गए। ठीकरा दूसरे राज्यों पर फूटने लगा। दिल्ली की प्यास बुझाने के लिए केवल यमुना से पानी नहीं आता। हरियाणा से यमुना का पानी आता है तो पंजाब के भाखड़ा नंगल बांध से पानी मिलता है। गंगा नदी से भी पानी आता है तो यूपी से भी पानी मिलता है। पंजाब से भी पानी मिलता है। यानि यमुना गंगा के अलावा रावी और व्यास नदी का पानी आता है। दिल्ली सरकार खुद भी कुओं और नलकूपों के जरिए भूगर्भीय स्त्रोतो से पानी जुटाती है। हरियाणा से 38.9 करोड़ गैलन पानी मिलता है तो गंगा नदी से 25.3 करोड़ गैलन पानी आता है। भाखड़ा नागल बांध से 22.1 करोड़ गैलन पानी मिलता है। दिल्ली कुओं और नलकूपों के जरिए भूगर्भीय स्त्रोतो से 9 करोड़ गैलन पानी जुटाता है। 95.3 करोड़ गैलन पानी के यह आंकड़े 2023 की एक रपट मुताबिक हैं। जबकि 2024 में पानी आपूर्ति का यह आकंड़ा 96.9 करोड़ गैलन तक पहुंच चुका है। जबकि दिल्ली की प्यास बुझाने के लिए रोजाना 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है। यानि साफ है कि दस साल से कोजरीवाल सरकार दिल्ली की जरूरत लायक पपानी जुटाने में नाकाम रही है। दिल्ली में गटर का रूप ले चुकी यमुना की सफाई के वादे पर केजरी मौन हैं और जब भाजपा ,कांग्रेस ने उनको मैली यमुना और पानी की किल्लत को लेकर तो वह जहरीले पानी की तोहमत लगाकर दिल्ली की जनता का ध्यान हटाने में जुट गए हैं। लेकिन नरेंद्र मोदी से लेकर राहुल गांधी के तीखे हमलों ने उनके आत्म विश्वास को हिलाकर रख दिया है।

शेयर बाजार की 'लाल' शुरूआत, रूपया भी गिरा

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार आज ड्लाल निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 106.13 अंक गिरकर 76,426.83 अंक पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 23.9 अंक गिरकर 23,139.20 अंक पर आ गया। हलांकि, जैसे-जैसे वक्त बीता शेयर बाजार ने वापसी की और हरे निशान पर पहुंच गया। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे गिरकर 86.59 डॉलर पर आ गया।

रेल यात्रा के दौरान मंत्री का मोबाइल चोरी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार के वन मंत्री का मोबाइल रेल यात्रा के दौरान चोरी होने के बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। जांच-पड़ताल के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया। आरोपी से तीन और मोबाइल मिले हैं। बताते हैं कि अमृतसर से हावड़ा जा रही पंजाब मेल में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ. अरुण बरेली से लखनऊ जा रहे थे. मंत्री ए-1 कोच में सफर कर रहे थे तभी मोबाइल चोरी हुआ। जीआरपी ने तुरंत जांच कर ट्रेन में आरोपी को पकड़ लिया। उसके पास से मंत्री का मोबाइल समेत तीन फोन बरामद हुए। युवक की पहचान साहिल के रूप में हुई है,वह नैनीताल रहने वाला है।

सीआरपीएफ जवान ने पत्नी को मारी गोली, फिर खुद को कर लिया शूट

भोपाल दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सीआरपीएफ कैंप के सामने कैपिटल ग्रीन कॉलोनी बंगरसिया में सीआरपीएफ के जवान ने सरकारी राइफल से पत्नी को गोली मार दी। पत्नी को गोली मारने के बाद उसने डायल 100 और सीआरपीएफ कंट्रोल रूम में कॉल किया था। जब तक डायल 100 और सीआरपीएफ की टीम पहुंचती वह खुद को भी गोली मार चुका था। घटना बीती रात करीब डे? बजे के आसपास की है। पीएम के बाद शव भिंड भेजे जाएंगे। मर्डर और सुसाइड का कारण आए दिन होने वाला पति पत्नी का विवाद बताया जा रहा है। पुलिस को घटनास्थल से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। थाना प्रभारी मनीष राज भदौरिया ने बताया कि भिंड निवासी 35 साल के रविकांत वर्मा सीआरपीएफ में जवान थे। उनकी ड्यूटी सीआरपीएफ कैंप बंगरसिया में थी। बीती रात वह ड्यूटी पर?थे, जबकि घर पर उनकी उनकी पत्नी रेणु वर्मा (32) दो मासूम बेटे थे। रविकांत ने कैंप के गेट के सामने किराया का मकान ले रखा था। उक्त मकान में दो कमरे हैं।

ड्यूटी से रायफल लेकर आया रविकांतः रात करीब एक बजे के आसपास रविकांत ड्यूटी से घर रायफल लेकर पहुंचा। इस दौरान दोनों बेटे एक कमरे में थे, जबकि दूसरे कमरे में पत्नी थी। पत्नी से कहासुनी होने के बाद उसने पत्नी पर फायर कर दिया। पत्नी की हत्या करने के बाद कुछ देर वह बैठा रहा। इसके बाद डायल 100 पर कॉल कर कहा कि मैंने गोली मारकर पत्नी की हत्या कर दी। उसने एक कॉल सीआरपीएफ कंट्रोल रूम में भी किया था। सीआरपीएफ और मिसरोद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो घर में रेणु वर्मा और रविकांत की लाश देखी। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों शव पीएम के लिए एम्स पहुंचा दिए। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दंपती के बीच आए दिन कहासुनी होती थी। इसी के कारण गुस्से में रविकांत ने पत्नी की हत्या करने के बाद खुद आत्महत्या कर ली।

कहासुनी के बाद ड्यूटी से राइफल लेकर पहुंचा था कांस्टेबल, बंगरसिया की घटना, दोनों की मौत

77वीं पुण्यतिथि पर बापू को नमन

भोपाल। महात्मा गांधी की आज 77वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर सरकार आज प्रदेश भर में शहीद दिवस का आयोजन कर रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जापान के कोबे शहर में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित कर बापू को याद किया। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में लगी बापू की प्रतिमा पर कांग्रेस के नेताओं ने श्रद्धांजलि दी।

कर्मचारियों ने 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा : मंत्रालय के सामने पार्क में मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में बापू को दी गई। श्रद्धांजलि ठीक 11 बजे सायरन बजाने के साथ ही मौन शुरू हुआ और 2 मिनट का मौन धारण करने के बाद बापू को पुष्पांजलि देने के बाद अधिकारी कर्मचारी अपने काम के लिए रवाना हो गए। इसके अलावा, एमपी हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय पर्यावास भवन में सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने प्रदेश भर में रखे कार्यक्रमः बापू की पुण्यतिथि के मौके पर प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी जिला, शहर कांग्रेस कमेटियों को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जिला अस्पतालों में मरीजों को फल वितरण, संगोष्ठी और सर्व धर्म सम भाव आदि कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ब्लैकहॉक से टकराया यात्री विमान, 18 मौतें, बाकी मुसाफिरों की नदी में तलाश

वाशिंगटन, एजेंसी

आज रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय एक यात्री विमान सेना के एक हेलीकॉप्टर से टकराने के बाद हड़कंप है। हादसे के बाद निकटवर्ती पोटोमैक नदी में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया है। अमेरिकन एयरलाइंस' के मुताबिक, विमान में 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। क्रैश के बाद दोनों पोटोमैक नदी में गिर गए। खबरों के मुताबिक अब तक 18 शव बरामद कर लिए गए हैं। हादसे में लोगों के हताहत होने के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है, लेकिन हवाई अड्डे पर विमान परिचालन रोक दिया गया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हेलीकॉप्टर जीवित लोगों की तलाश एवं बचाव के लिए घटनास्थल के हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं। बचाव नौकाओं को पोटोमैक नदी में उतारा गया है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें भयावह दुर्घटना के बारे में जानकारी दी

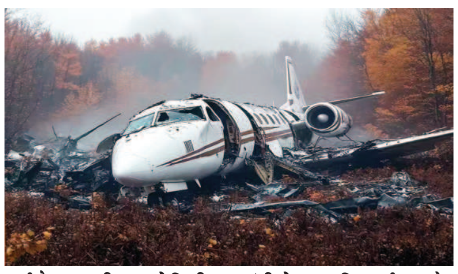

गई है। इस बीच अमेरिकी गृह मंत्री ने कहा कि दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य के लिए तटरक्षक बल सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यह टक्कर पूर्वी मानक समयानुसार रात लगभग नौ बजे हुई, जब कंसास के विचिटा से उड़ान भरने वाला एक क्षेत्रीय विमान हवाई अड्डे के रनवे पर पहुंचते समय एक सैन्य 'ब्लैकहॉक' हेलीकॉप्टर से टकरा गया।

सिध्दू का नया अवतार, 33 किलो 'हल्के' हुए

चंडीगढ़, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने पांच महीनों में से भी कम समय में 33 किलो वजन घटाया है। उन्होंने अगस्त से अब तक के बदलाव की तस्वीरें आज इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। सिद्धू ने लिखा कि पहले और बाद में... । मैंने अगस्त से अब तक पांच महीने से भी कम समय में 33 किलो वजन कम किया है। उन्होंने ने ये भी बताया कि यह सब इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प, प्रक्रिया और प्राणायाम, वेट ट्रेनिंग और लंबी सैर के साथ एक अनुशासित आहार का नतीजा है। कुछ भी असंभव नहीं है दोस्तों - 'पहला सुख निरोगी काया'।

रणजी मैचः कोहली को देखने बेकाबू हुए प्रशंसक, कई घायल

नईदिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली 13 साल बाद रणजी मुकाबला खेलने उतरे हैं। कोहली दिल्ली की टीम से खेल रहे हैं। इसे लेकर उनके प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। मुकाबला रेलवे के खिलाफ आज जेटली स्टेडियम में शुरू हुआ तो प्रशंसक बेकाबू होने लगे। दिल्ली की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी कर रही है। लिहाजा कोहली को देखने के लिए दिल्ली के फैन्स उत्साहित रहे। स्टेडियम में घुसने के लिए फैन्स इतने क्रेजी हो गए कि स्टेडियम के बाहर अफरा-तफरी मच गई, जिसमें कुछ फैन्स घायल हो गए। गेट 16 के बाहर लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे। इसके चलते कुछ प्रशंसक एंट्री गेट के पास गिर गए और घायल हो गए। जबकि पुलिस की एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई और कई लोग अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़ गए। घायलों का सुरक्षाकर्मियों और पुलिस ने गेट के पास ही उपचार किया।

फुटपाथ की स्थिति खराब

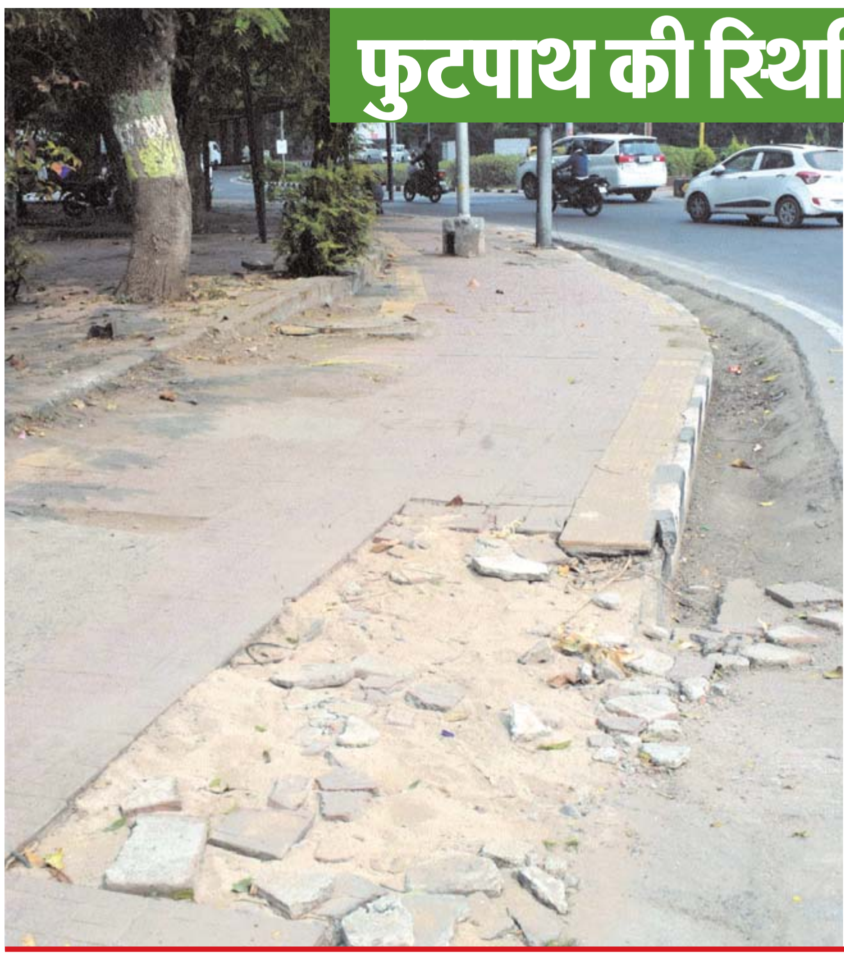

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल से लिंक रोड नंबर 1 पर फुटपाथों की हालत खराब।

सप्लीमेंट्री कॉपी नहीं मिलेगी, मुख्य उत्तर पुस्तिका में हल करना होगा पेपर

अगले माह से शुरू होगी माशिमं की 10वीं व 12वीं की परीक्षा, अंतिम चरण में तैयारियां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में अगले माह से शुरू होने वाली माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 3887 परीक्षा केंद्रो का निर्धारण किया जा चुका है, वहीं अब केंद्र अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए भी सूची तैयार है। खास बात यह भी है कि इस बार बोर्ड ने परीक्षा व्यवस्था में कई बदलाव भी किए हैं। नकल पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इस बार विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री कॉपी नहीं दी जाएगी। यानी विद्यार्थियों को 32 पेज की मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही पूरा पेपर हल करना होगा। पूर्व में 20 पेज की उत्तर पुस्तिका होती थी। अब उत्तर पुस्तिका के पेजों में इजाफा करने के साथ ही इस पर कोड भी लगाया गया है। उत्तर पुस्तिका की सिलाई उखड़ी या टूटी तो नकल प्रकरण दर्ज किया जाएगा। इस बार प्रश्नपत्रों के बंडलों को थाना से निकालने और वितरित करने में कई सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। अगर उत्तर पुस्तिका की सिलाई उखड़ी, टूटी या कम पेज की पाई गई तो ऐसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा, बल्कि नकल का केस दर्ज होगा। परीक्षा के दौरान इसका भी ध्यान रखा जाएगा कि उत्तरपुस्तिका की सिलाई उखड़ी या टूटी होने पर किसी भी विद्यार्थी को वितरित न की जाए।

16.61 लाख विद्यार्थी होंगे परीक्षा में शामिल: उल्लेखनीय है कि दसवीं-बारहवीं की मुख्य परीक्षाएं 25 फरवरी से शुरू होंगी। 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी से 25 मार्च तक और दसवीं की परीक्षा 27 फरवरी से 21 मार्च तक आयोजित की जाएगी। दोनो कक्षाओं के करीब 16.61 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे। 10वीं के विद्यार्थियों की संख्या करीब 9.54 लाख और 12वीं के विद्यार्थियों की संख्या लगभग 7.07 लाख है।

45 हजार अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी रहेंगे तैनात: जानकारी के अनुसार, इस बार परीक्षा कार्य में करीब 45 हजार अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी लगाए जाएंगे। 1000 उड़नदस्तों की नजर परीक्षा केंद्रो पर रहेगी। वहीं कलेक्टर प्रतिनिधि की संख्या 3887 है। इसके अलावा 562 प्रेक्षक, 15 हजार केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्षों सहित परीक्षा में करीब 45 हजार अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहेंगे।

माशिमं से संबंधित निजी स्कूल संचालक आज राजधानी में करेंगे प्रदर्शन, मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर है नाराजगी

भोपाल। प्रदेश के विभिन्न निजी स्कूल संगठनों ने 30 जनवरी को एक दिवसीय बंद का आह्वान किया है। निजी स्कूल संगठनों का कहना है कि वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन की नई मान्यता नीति उन छोटे-छोटे निजी स्कूलों के अस्तित्व को संकट में डाल रही है, जो सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का प्रयास करते हैं। यदि यह नीति लागू होती है, तो बहुत से छोटे स्कूल बंद होने की कगार पर आ जाएंगे। निजी?स्कूलों ने अभिभावकों से भी समर्थन की अपील करते हुए कहा है कि 30 जनवरी को अपने बच्चों को स्कूल न भेजें और इस बंद को सफल बनाने में हमारी मदद करें। 30 जनवरी को सब एकजुट होकर शासन को यह संदेश दें कि शिक्षा व्यवस्था में कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जो हमारे बच्चों के भविष्य को खतरे में डाल दे।

सिक्सलेन को पार नहीं करेगा रेलवे ओवरब्रिज

बावड़िया ब्रिज मिसरोद एलिवेटेड कॉरिडोर से टकराव रोकने की योजना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बावड़िया गांव को पार कर आशिमा मॉल के पास तय रेलवे ओवरब्रिज बीआरटीएस सिक्सलेन को पार नहीं करेगा। ये विद्यानगर आइएसबीटी के पास यानी सड़क से पहले ही उतरेगा। इसके पीछे तर्क है कि बीयू से मिसरोद के बीच तय साढ़े पांच किमी से एलिवेटेड कॉरिडोर से इसका टकराव रोकने के लिए ऐसा किया गया है। हाल में मुख्यमंत्री ने बावड़िया ब्रिज के लिए केबिनेट से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ये 180 करोड़ रुपए का ब्रिज बताया जा रहा है।

नया चौराहा विकसित करेंगे, ताकि आशिमा के किनारे रोड पर बढ़े ट्रैफिक: तय योजना के तहत अब नर्मदापुरम रोड पर आशिमा के सामने की ओर एक नया चौराहा विकसित होगा। सिक्सलेन पर क्रॉसिंग बनाकर ट्रैफिक सीधे आशिमा के पास से आगे की ओर निकल जाएगा। यहां ट्रैफिक कंट्रोल के लिए सिग्नल लगेगा। ब्रिज से उतरने के

बाद ट्रैफिक सिग्नल पर रुकेगा और ग्रीन बत्ती से आगे बढ़ेगा। इसके ऊपर एलिवेटेड लेन से बीयू से मिसरोद के बीच का ट्रैफिक गुजरेगा।

घटेगा तीन किमी का चक्कर

बावड़िया का नया ब्रिज सेज अस्पताल के सामने से शुरू होकर बावड़िया गांव, रेलवे लाइन पार करके सीधे नर्मदापुरम रोड पर ट्रैफिक को जोड़ देगा। अभी कोलार के बैरागढ़ चीचली से लेकर नयापुरा और सर्वधर्म तक के लोगों को नर्मदापुरम रोड के लिए बावडिया रेलवे क्रॉसिंग वाला ब्रिज ही है। राजहर्ष कॉलोनी में रहने वाले को आशिमा तक पहुंचने के लिए मौजूदा ब्रिज से करीब साढ़े सात किमी की दूरी तय करना होती है, इसमें सेज से आशिमा तक करीब तीन किमी का घुमाव है। नया ब्रिज बनने से ये दूरी तीन से साढ़े तीन किमी में सिमट जाएगी। वहीं पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि बावड़िया का नया ब्रिज बीआरटीएस सिक्सलेन से पहले ही उतरेगा। ये रोड पार नहीं करेगा। पार करने में बीयू से मिसरोद एलिवेटेड लेन से टकराव की स्थिति बनेगी। इसे रोका जाएगा।

इधर, एफओबी का स्ट्रक्चर जोड़ा, आंबेडकर ब्रिज के नीचे से गुजरेंगे मेट्रो के यात्री

स्टेशन तक यात्रियों की आवाजाही होगी आसान

बोर्ड ऑफिस रेलवे स्टेशन पर लोहे का स्ट्रक्चर जोड़ा

भोपाल. मेट्रो ट्रेन के बोर्ड ऑफिस रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के लिए लोहे का स्ट्रक्चर जोड़ दिया गया है। स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही इससे सुनिश्चित होगी। ये पीडब्ल्यूडी के आंबेडकर ब्रिज के नीचे से डाली गई है। यानी यात्री सड़क किनारे से इस एफओबी पर जब चढ़ेंगे तो ब्रिज के बिल्कुल नीचे से होकर स्टेशन के अंदर पहुंच जाएंगे। करीब 17 मीटर लंबाई का स्ट्रक्चर सीढ़ियों व एस्केलेटर से यात्रियों को जोड़ देगा। फरवरी में इसका काम पूरा होने की बात कही जा रही है। जमीन से ये करीब सात मीटर ऊंचाई पर है। इसे भाग को निर्माण के दौरान ही जोड़ा गया है। इसके लिए ठेका एजेंसी ने एक विशेष क्रेन का उपयोग किया। इस ढांचे को जोड़ने की कवायद 24 जनवरी से की जा रही थी।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम दल ने किया महानगर बैंक का दौरा

बैंक चेयरमैन ने महानगर बैंक की उपलब्धियां बताईं

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

महानगर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, बैरागढ़ में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, भोपाल के उपसंचालक एवं पदाधिकारियों द्वारा बैंक का भ्रमण किया, जिसमें विकास निगम के उप संचालक गौरव कुमार शाक्य ने महानगर बैंक के अध्यक्ष सुशील वासवानी, पूर्व अध्यक्ष म.प्र. आवास संघ (राज्यमंत्री दर्जा) से मुलाकात भी की। वासवानी ने बताया कि बैंक द्वारा दी जा रही

सुविधाओं को जानने और देखने के लिए आए। बैंक द्वारा वर्तमान में प्लेटिनियम कार्ड की विशेष सुविधा ग्राहकों को दी जा रही है जिसके अंतर्गत भारत के सभी एयरपोर्ट पर लाउंच सुविधा मात्र 2 रूपये में प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही बैंक माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री के लक्ष्य अनुरूप डिजीटल लेन-देन में बैंक पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। आज दिनांक पर बैंक में समस्त प्रकार के डिजीटल सुविधाएं महानगर में स्थापित अन्य शाखाओं एवं अनेक एटीएम मशीनों के साथ ग्राहकों को सुविधा प्रदान कर रही है। सहकारी विकास निगम के उप संचालक ने बैंक भ्रमण के दौरान ग्राहकों से बैंक द्वारा दी जा रही ग्राहक सेवा के बारे में जानकारी ली एवं बैंक द्वारा दी जा रही सेवाओं की प्रशंसा की और कहा कि बैंक पिछले 28 वर्षों से 'ए' श्रेणी प्राप्त करने वाला मध्यप्रदेश का प्रथम बैंक है। भ्रमण के दौरान बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की मार्केटिंग हेड महिमा, प्रतिभा तिवारी एवं दिया वासवानी उपस्थित रही।

एसएचआईएम की प्रतिभाशाली छात्राएं सम्मानित

हिरदाराम नगर. संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में बैंक ऑफ बड़ौदा अचीवर्स अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राओं का चयन किया है। अवार्ड कार्यक्रम संस्थान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक ऑफ बड़ौदा के डिप्टी रीजनल हेड आशीष सिंह चौहान थे। चौहान ने बैंक ऑफ बड़ौदा के द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों का ब्यौरा दिया एवं कहा कि संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफमैनेजमेंट की छात्राओं में शिक्षा एवं संस्कार का समावेश है, जो अनुकरणीय है। बैंक के अधिकारियों के द्वारा तीन श्रेणियों अकादमिकए स्पोर्ट्स एवं ऑल.राउंडर में सर्वश्रेष्ठ प्रत्येक छात्रा को 31हजार रूपये नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए। अकादमिक श्रेणी में यशस्विनी बावने, स्पोर्ट्स श्रेणी में नंदिनी नागोत्रा एवं ऑल.राउंडर श्रेणी में ऋचा यादव को पुरस्कृत किया गया। बैंक अधिकारीगण विकास कुमार सिंह, बरखा शर्मा, डॉ स्वाति ठाकुर, गगन तिवारी,हरीश पेसवानी के साथ संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, ग्रुप एडवाइजर पी ऐस राठौर, डायरेक्टर डॉ आशीष ठाकुर उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | परवाह अभियान: 750 ड्रायवरों की आंखों की जांच, दवाइयां, चश्में दिए

ड्राइवरों की दृष्टि ठीक होनी चाहिए: शमी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

ड्रायवरों की दृष्टि ठीक होनी चाहिए। उन पर वाहन में बैठे और सड़क पर चलते लोगों की जिंदगी की रक्षा का दायित्व होता है। कमजोर नजर वाले ड्रायवरों से दुर्घटनाएं हो सकती हैं, इसलिए सभी ड्रायवरों को अपनी आंखों की सामयिक जांच करवाते रहना चाहिए।

यह बात एडीजीपी संजीव शमी ने कही। वे यातायात माह में चले रहे अभियान 'परवाह' में सेवासदन व यातायात पुलिस के सहयोग से आयोजित ड्राइवरों की आंखों की जांच के लिए आयोजित शिविर के शुभारंभ मौके पर बोल रहे थे। शमी ने कहा कि लोक परिवहन में अब ई-रिक्शा का चलन शुरू हुआ है। ई-रिक्शा की गति अन्य वाहनों की तुलना में बहुत कम है जिससे सड़क दुर्घटनाओं की सम्भावनाएं भी कम होती है। बताया गया कि 750 ड्राइवरों की आंखों की जांच में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। दृष्टि दोष और नेत्र व्याधियों से पीड़ित 750 ड्रायवरों ने अपनी आंखों की जांच करवायी। इनमें 280 ड्रायवरों को दृष्टि दोष तथा 35 को मोतियाबिंद के लक्षण पाये गये। सेवासदन द्वारा कमजोर दृष्टि

वाले 160 ड्रायवरों को चश्में तथा नेत्र व्याधियों से पीड़ित 130 को निःशुल्क ड्रॉप्स दिए गए। इनके अलावा 52 ड्रायवरों को अपनी आंखों की जांच सेवासदन नेत्र चिकित्सालय जाकर करवाने की सलाह दी गई। अस्पताल द्वारा लोगों के ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की भी निःशुल्क जांच की गई।

यह मौजूद रहे: शिविर में भोपाल के पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र, उप पुलिस महानिरीक्षक तुषारकांत विद्यार्थी, अपर पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, डीसीपी यातायात संजय सिंह तथा मेपकास्ट के निदेशक डॉ. अनिल कोठारी, सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी राजकुमार मूलचंदानी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा मोटा, डायरेक्टर प्रशासन कुशल धर्मानी, अस्पताल प्रशासक अनुषा तिवारी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। ऑप्टोमेट्रिस्ट अजय सिंह और सौरभ गुप्ता ने रोगियों की आंखों की जांच की।

150 बुजुर्गों का बीपी व अन्य जांचें, स्वास्थ्य को लेकर किया जागरूक

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान पुणे ने लगाया कैंप

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान चिकित्सा महाविद्यालय ने भारत सरकार के आयुष विभाग अंतर्गत राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान,पुणे द्वारा प्रायोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के जिमनेजियम परिसर में आयोजित किया, जिसमें जीव सेवा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्पों का लाभ ले रही बुर्जुग महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में जानकारी दी गई। बुजुगों के लिए प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा उचित देखभाल कैसे हो इस पर केंद्रित यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क था। इस योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में लगभग 150 लोगों का बीपी आदि की जाँच की गई साथ ही स्वस्थ जीवनशैली के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श और रोग निदान के लिए आवश्यक योग क्रिया और प्राकृतिक उपचार दिया गया।साथ ही उन सभी को जिन्होंने अपनी जाँच कराई

अथवा परामर्श प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अंकेश सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के द्वारा आयोजित इस तरह के स्वास्थ्य शिविर जहाँ समाज सेवा का प्रतीक है। वहीं, दूसरी और हमारे एमडी और बीएनवासएस की छात्राओं को सीखने का अवसर भी मिलता है। महाविद्यालय समय.समय पर बुजुर्ग के साथ महिलाओ और बच्चों कि लिए भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा ताकि लोग दवा मुक्त और रोग मुक्त जीवन जी सकें।

सरकार ने अपना आदेश पांच महीने में पलटा, एसीएस को दी निगम की कमान

सरकार ने सितंबर 2024 में निगम, मंडलों से हटाए थे आईएएस, मंत्रियों को दिया था जिम्मा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र सरकार ने निगम मंडलों से जिन आईएएस को हटाकर मंत्रियों को जिम्मा सौंपा था, उन्हीं आईएएस को फिर से निगम मंडलों की जिम्मेदारी दी जा रही है। सरकार ने इसकी शुरुआत राज्य वन विकास निगम से कर दी है। वन विभाग के एसीएस अशोक वर्णवाल को निगम का अध्यक्ष मनोनीत कर दिया है। इस नियुक्ति से प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे जनप्रतिनिधियों को झटका लगा है।

दरअसल सरकार ने दिसंबर 2023 में निगम और मंडलों के अध्यक्षों को हटा दिया था। जिसके बाद निगम मंडलों की जिम्मेदारियां स्वतः ही आईएएस के पास चली गई थी। वे प्राधिकृत अधिकारी व प्रशासक बन गए थे। जब राजनीतिक नियुक्तियां नहीं हुईं तो मंत्रियों ने आपत्ति ली और कह कि जब विभाग के मुखिया वे हैं तो निगम मंडल आईएएस के पास क्यों रहने चाहिए। यह मुद्दा कैबिनेट बैठक में उठा था, जिसके बाद सितंबर 2024 में सरकार ने आईएएस को भी हटा दिया। तब अंदाजा लगाया गया था कि नई सरकार जल्द नए सिरे से राजनीतिक नियुक्तियां करेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बीच राज्य लघु वन विकास निगम में एसीएस अशोक वर्णवाल को नियुक्ति दे दी। हालांकि अंदरखाने यह भी चर्चा है कि वन विभाग की जमीन उद्योगों के नाम पर देने की भी तैयारी चल रही है। संभव है कि केंद्र सहमति नहीं दे, लिहाजा पहले निगम को जमीन दी जाएगी और फिर वहीं जमीनें निजी हाथों में लीज पर दे दी जाएगी।

बचाव में अफसरों के तर्क

एसीएस अशोक वर्णवाल की नियुक्ति् के बाद सत्ता व संगठन में अंदर खाने खींचतान शुरू हो गई है। भाजपा को पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में रिकार्ड मतों से जिताने वाले जमीनी नेता सत्ता व संगठन पर चढ़ाई करने लगे हैं। जल्द ही बड़ा विरोध देखने को मिल सकता है। इस बीच कुछ अधिकारियों का तर्क है कि एसीएस को निगम का जिम्मा अस्थाई रूप से काम संभालने के लिए दिया है। उक्त निगम के अध्यक्ष वन मंत्री होते है, जो फिलहाल कोई नहीं है इसलिए विभाग मुख्यमंत्री के पास है। सूत्रों के मुताबिक निगम से जुड़ी रूटीन की बैठकों में मुख्यमंत्री का शामिल होना संभव नहीं होता, जिसे देखते हुए एसीएस को अस्थाई रूप से अध्यक्ष मनोनीत किया है। वहीं जानकारों का कहना है कि जिस तरह एसीएस को मनोनीत किया, उसी तरह सरकार चाहती तो राजनीतिक नियुक्ति् भी कर सकती थी।

1 अप्रेल से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र, 20 मार्च से शुरू होंगे प्रवेश

प्रवेश प्रक्रिया 31 मार्च तक पूरे करने के आदेश, डीपीआई ने जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र शुरू करने को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सरकारी स्कूलों में एक अप्रेल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू होगी, जो 31 मार्च तक चलेगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी संभागीय संयुक्त संचालकों, जिला शिक्षा अधिकारियों और हायर सेकेंडरी व हाईस्कूल के प्राचार्यों को शैक्षणिक सत्र को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि परीक्षाएं खत्म होने के बाद कक्षा 8 से 11 तक के रिजल्ट को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को अस्थायी रूप से प्रवेश दिया जएगा। विद्यालयों में एडमिशन की प्रोसेस 20 मार्च से 31 मार्च के बीच पूरी कर ली जाए ताकि एक अप्रेल से कक्षाएं शुरू की जा सकें। विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए स्कूल के शिक्षक उनसे और अभिभावकों से संपर्क करेंगे। स्कूल पहुंचने वाले छात्रों से कराई जाने वाली एक्टिविटीज का निर्धारण भी स्कूल शिक्षा विभाग ने कर दिया है। इसमें पढ़ाई के साथ प्रार्थना सभा पर भी फोकस किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रगान, मध्य प्रदेश गान, महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि की जानकारी देने के साथ उस दिन का कैलेंडर और पंचांग की जानकारी देना भी अनिवार्य होगा।

4 अप्रेल को होगी बैठकें: 4 अप्रेल को शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक का आयोजन किया जाए और इसमें स्कूल के पूर्व छात्रों को भी आमंत्रित किया जाए। इनके बीच अध्ययन अध्यापन की प्रस्तावित कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस दिन सांस्कृतिक एवं खेलकूद एक्टिविटीज के आयोजन और इसकी जानकारी प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली चुनाव प्रचार में बोले मिश्रा

तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले महाकुंभ पर सवाल उठा रहे

भोपाल/दिल्ली. दोपहर मेट्रो।

मप्र भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा समेत कई नेता इस वक्त दिल्ली चुनाव में प्रचार में जुटे हैं। मिश्रा ने राजेन्द्र नगर विधानसभा में भाजपा प्रत्यशी उमंग बजाज के समर्थन में सभा में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी हिन्दुओं के आस्था महाकुंभ पर सवाल उठा रहे है। उनमे दम है तो हज यात्रा के खिलाफ दो शब्द बोल कर दिखाए। पूर्व गृह मंत्री ने अरविंद केजीरिवाल के झूठे बयानों को हार की हताशा का परिणाम बताया। मिश्रा ने कहा कि खरगे कहते है कि गंगा में नहाने से क्या गरीबी दूर होती है क्या लोगो को रोजगार मिलता है। में पूछना चाहता हूँ कि कांग्रेस हिंदुओं के खिलाफ ही क्यों है। हमेशा हमारे सनातन धर्म का ही अपमान क्यों करती है। मिश्रा ने कहा कि केजरीवाल जी अनर्गल बयान इसलिए दे है क्योंकि उनको अपनी पार्टी कि हार तय दिख रही है। हार कि हताश का ही परिणाम उनके यह झूठे बयान है।

अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समिति की मैनिट में हुई बैठक

हमारे छात्र जॉब क्रिएटर बनें न कि जॉब सीकर: प्रो. करुणेश कुमार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में अंतर माध्यम प्रचार समन्वय समिति (आईएमपीसीसी) की साल 2025 की पहली बैठक हुई। बैठक में आईएमपीसीसी के अध्यक्ष और पीआईबी, भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने सदस्यों को सूचित किया कि पीआईबी, भोपाल का कार्यालय दिसंबर महीने में 11, वैशाली नगर से श्यामला हिल्स स्थित दूरदर्शन केन्द्र के प्रशासनिक भवन के द्वितीय तल पर शिफ्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर 2024 को प्रधानमंत्री ने खजुराहो में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम की पब्लिसिटी पीआईबी, भोपाल द्वारा बेहतरीन तरीके से की गई। पाठराबे ने कहा कि दिसंबर और जनवरी महीने में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, नितिन गडकरी समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की यात्रा मध्य प्रदेश में हुई, जिसके प्रचार-प्रसार का कार्य पीआईबी, भोपाल द्वारा किया गया। मौलाना आ?ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. करुणेश कुमार शुक्ल ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से मैनिट भोपाल की स्थापना से लेकर अब तक के सफर के बारे में सदस्यों को बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 6500 विद्यार्थी और 284 कार्यरत फैकल्टी वाले मैनिट का उद्देश्य क्वालिटी एजुकेशन के साथ इंटेलेक्चुअल वेलनेस पर है। शुक्ल ने कहा कि हमारा पूरा जोर रहता है कि हमारे छात्र जॉब क्रिएटर बनें न कि जॉब सीकर। उन्होंने स्टार्टअप इको सिस्टम को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

प्रदेश के कॉलेजों में 16 साल से नहीं हुए छात्र संघ चुनाव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पिछले 16 सालों से छात्रसंघ चुनाव नहीं हो रहे हैं। इस साल सीएम ने छात्र संगठनों को चुनाव कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अधिसूचना जारी नहीं होने के कारण विद्यार्थियों में निराशा का माहौल है। सीएम डॉ. मोहन यादव, जो उच्च शिक्षा मंत्री भी रहे हैं, ने छात्रसंघ चुनाव को लेकर एक प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा था। इसके बाद एबीवीपी और एनएसयूआई ने भी शासन को चुनाव कराने के लिए प्रस्ताव भेजा था, जिसमें चुनाव का आश्वासन दिया गया था। इस शैक्षणिक सत्र में छात्र संगठन चुनाव की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन अब तक कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा हर साल शैक्षणिक कैलेंडर में छात्रसंघ चुनाव का उल्लेख किया जाता है। कैलेंडर के अनुसार, अगस्त-सितंबर के बीच चुनाव कराए जाने की योजना है, जिसके लिएहर साल 500 रुपए प्रति छात्र शुल्क लिया जाता है। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार पिछले दो सालों से केवल आश्वासन ही दे रही है, लेकिन चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है।

सांची विवि के कुलगुरु राष्ट्रपति से मिले

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो वैद्यनाथ लाभ गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के उपरांत राष्टपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा विशिष्ट अतिथियों के लिए आयोजित %ऐट होम% समारोह में पालि भाषा के विशिष्ट विद्वान के रूप में सम्मिलित हुए। राष्टपति भवन के अमृत उद्यान में आयोजित इस समारोह में इंडोनेशियाई राष्टपति प्रबोवो सुबियांतो, उपराष्टपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगी, तीनों सेनाओं के अधिकारी, विभिन्न दूतावासों के प्रतिनिधि, विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिक, लोक नृतक एवं संगीतज्ञ एवं विशिष्ट शिक्षाविद समेत कई गणमान्य अतिथि सम्मिलित हुए। कुलगुरु प्रो वैद्यनाथ लाभ ने प्रधानमंत्री के साथ भेंट में उन्हें सांची विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत भी कराया। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो लाभ ने भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष डॉ चमूकृष्ण शास्त्री के वार्ता के दौरान शोध में प्रगति की चर्चा की।

प्रोफेसर धनंजय की स्मृति में 'विचार संगति'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समकालीन हिन्दी साहित्य के शीर्षस्थ साहित्यकार और आलोचक प्रोफेसर धनंजय वर्मा की प्रथम बरसी पर उनकी स्मृति में धनंजय वर्मा शोध पीठ के तत्वावधान में विचार संगति विषयक भावपूर्ण और आत्मीय संगोष्ठी आयोजित हुई। इस अवसर पर साहित्यिक , सांस्कृतिक परिदृश्य के प्रबुद्ध वक्ताओं ने विभिन्न संस्मरणों के माध्यम से धनंजय वर्मा के प्रभावी, प्रखर , उदार,मानवीय ,लेखक की गरिमा की रक्षा हेतु सजग व्यक्तित्व और प्रगतिशील मूल्यों ,मार्क्सवादी विचारधारा से प्रतिबद्ध उत्कृष्ट आलोचकीय दृष्टि और साहित्यिक अवदान को याद करते हुए इसे प्रेरक और अविस्मरणीय निरूपित किया। कार्यक्रम में राजेश जोशी ,मुकेश वर्मा , राजेन्द्र शर्मा,रामप्रकाश त्रिपाठी, शशांक , सुधीर सक्सेना , बलराम गुमास्ता ,रेखा कस्तवार,पलाश सुरजन , नवल शुक्ल ,सत्यम पाण्डे,विनय राजाराम ,रामाराव वामनकर ,मनीषा महापात्र और 92 वर्षीय वरिष्ठ फोटो ग्राफर ,संस्कृति कर्मी जगदीश कौशल ने विभिन्न संस्मरणों के माध्यम से वर्मा को याद किया।
प्रारम्भ में उनकी कुछ कविताओं का पाठ प्अभिषेक ने किया।वरिष्ठ साहित्यकार रेखा कस्तवार ने इस आयोजन हेतु प्रेषित प्रगतिशील लेखक संघ मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रोफेसर सेवाराम त्रिपाठी और राकेश भारतीय के संदेश का पाठ

किया। इस तारतम्य में प्रबुद्ध साहित्यकार शोभना जोशी के आलेख का पाठ मनीषा महापात्र ने किया।शोभना जोशी के आलेख में धनंजय वर्मा जी के प्रेरक ,,उदार , संवेदनशील व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध प्रेरक अवदान को रेखांकित किया गया है। वरिष्ठ पत्रकार लज्जा शंकर हरदेनिया के धनंजय वर्मा जी के धर्म निरपेक्ष व्यक्तित्व को रेखांकित करते संदेश का भी पाठ किया गया। कार्यक्रम का संचालन शैलेन्द्र शैली ने किया। करुणा राजुरकर ने आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम में डॉक्टर शिवकुमार अवस्थी ,प्रभा वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन निवेदिता वर्मा ने किया।

संपादकीय

सहमतियों की समिति जरूरी

जिन विधेयकों पर सदन में सहमति न बन पाती है उन पर कानूनी दृष्टि से विचार-विमर्श कर सुझाव पेश करने के लिये संसदीय समितियों से अपेक्षा रहती है। कई बार कुछ विधेयकों या कानूनों में संशोधनों पर विपक्ष आपत्ति उठाता और उन्हें संयुक्त संसदीय समिति में विचार की मांग करता है। ऐसा इसीलिए होता है कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता पर सबको भरोसा होता है। संवैधानिक भावना यह है कि संसदीय समितियों को सत्तापक्ष के दबदबे से दूर रखा जाए, ताकि विचार के लिए आए विषयों पर तार्किक और निष्पक्ष ढंग से विचार हो सके। मगर पिछले कुछ समय से जिस तरह संयुक्त संसदीय समितियों में हंगामे देखे गए हैं, उससे उनकी प्रासंगिकता पर ही सवाल उठने लगे हैं। हाल में वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति में एक बार फिर हंगामा हुआ और उसके अध्यक्ष ने दस विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। विपक्षी सांसदों का आरोप था कि अध्यक्ष सरकार के इशारों पर काम कर रहे हैं और वे विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं देना चाहते। इसकी लिखित शिकायत भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को भेजी है। दरअसल, सरकार ने वक्फ कानूनों में संशोधन का विधेयक तैयार किया है। उसके मुताबिक वक्फ के फैसलों को भी अदालत में चुनौती दी जा सकती है। फिर, कोई भी ऐसी जमीन, जिसे दान में नहीं दिया गया है और वहां मस्जिद या अन्य इबादतगाह बनाई गई है, तो उसे अवैध कब्जा माना जाएगा। दरअसल, इस संशोधन को लेकर मुसलिम धर्मगुरुओं, नेताओं और विपक्ष ने आशंका जाहिर की थी कि सरकार नए संशोधन कानून के जरिए वक्फ की संपत्ति पर कब्जा करना चाहती है। इसलिए सदन में बिना बहस के ही सरकार ने उस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विचार के लिए भेज दिया था। समिति को अपने सुझाव बजट सत्र में पेश करना है। मगर जिस तरह समिति की बैठकें हंगामे की भेंट चढ़ती रही हैं, उससे नहीं लगता कि कोई सर्वमान्य फैसला हो पाएगा। इस संशोधन विधेयक के खिलाफ कई मुसलिम संगठन भी संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विरोध जता चुके हैं। किसी संयुक्त संसदीय समिति में जब भी अध्यक्ष सत्तापक्ष का होता है, तो ऐसे विवाद की गुंजाइश बनी ही रहती है। वक्फ कानून वैसे भी संवेदनशील विषय है, इसलिए अगर इस पर राजनीतिक नफे-नुकसान के मद्देनजर विचार रखे जाएंगे, तो उनके निष्पक्ष रहने का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार के पिछले कार्यकाल के वक्त भी संसदीय समितियों के गठन और उनके अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर खासा विवाद उठा था। जिन समितियों के अध्यक्ष पद पर सत्तापक्ष के किसी सांसद को नहीं नियुक्त किया जाना चाहिए, उन पर भी सत्तापक्ष काबिज हो गया था। तब भी संसदीय समितियों की प्रासंगिकता पर सावल उठे थे। संयुक्त संसदीय समिति में हर दल और पक्ष के लोग रखे ही इसलिए जाते हैं, कि वहां किसी विवादित विषय पर हर कोण से विचार-विमर्श हो सके और एक सर्वमान्य, सर्वहितकारी कानून बनाया जा सके। मगर शायद यह मकसद अब गौण मान लिया गया है और इन समितियों को भी राजनीतिक रस्साकशी का मंच बना दिया गया है। इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। अध्यक्ष और विपक्षी दलों को भी आपसी सहमति बनाने की कोशिश करनी चाहिए, वरना कहीं ऐसा न हो कि संयुक्त संसदीय समितियां महज दिखावा या खानापूर्ति बनकर रह जाएं।

सफेद रंग एक विशेषाधिकार : इसे बार-बार धोने, दाग हटाने और देखभाल की ज़रूरत

■ शेफाली वासुदेव

राहुल गांधी के सफ़ेद टी-शर्ट 'अभियान' को लेकर जो उत्सुकता भरी खबरें दी जा रही हैं वे काफी मनोरंजक हैं. लेकिन यह अभियान भारत में वेशभूषा की समकालीन राजनीति में शायद ही यादगार बनने वाला है. दिल्ली जब कि चुनाव की तरफ कदम बढ़ा रही है और रूप-रंग पर जो जोर दिया जा रहा है वह, और कांग्रेस जब कि इसके कारण पैदा हो रही दरारों के बीच संतुलन बिठाने की कोशिश में जुटी है तब यह सब एक उपयोगी मनबहलाव जैसा है. लेकिन इसे 'वेशभूषा-के-जरिए-लोकतांत्रिक- राजनीति' के नए प्रतीक के रूप में देखना दरअसल पहले पेश किए जा चुके एक विचार को नये रूप में पेश करने जैसा है. इसे महज इस महीने की एक सांकेतिक सुर्खी भर माना जा सकता है। इसकी पहली वजह तो यह है कि टी-शर्ट का इतिहास बहुत संक्षिप्त है और उसमें उसमें ऐसा कुछ नहीं है जो बहुत महत्वपूर्ण हो. राहुल की टी-शर्ट और उसकी सफेदी को उनके राह बदलने तथा मतदाताओं के साथ संवाद स्थापित करने के हिस्से के रूप में पेश किया गया. यह सब तीन साल पहले उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' के साथ उभरकर सामने आया. उस यात्रा से उन्होंने राजनीतिक दृष्टि से क्या हासिल किया या नहीं किया इस पर बहस अभी चल ही रही है। इसके कुछ हिस्से राहुल को नए ब्रांड के रूप में पेश करने की कहानी जैसे हैं, जो काबिले गौर है. वेशभूषा को लेकर राहुल की पसंद उन्हें भारत और दुनिया के उन नेताओं या वक्ताओं में शुमार करती है जो अपनी एक छवि गढ़ने के लिए राजनीतिक पहचान के प्रतीकों का इस्तेमाल करते हैं. और पोशाक तो निश्चित ही एक ताकतवर प्रतीक है. लेकिन यह कहना थोड़ी अतिशयोक्ति ही होगी कि इसने राहुल की छवि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में बनाने में मदद की है, जो राजनीति में कुछ कर गुजर रहा है और नये रास्ते बना रहा है। इसकी वजह भी है. सफ़ेद कुर्ता, साड़ी, बंडी, धोती, लुंगी या वेष्टि की जगह सफेद टी-शर्ट ड्रेस के रूप में और पहचान की दुनिया में एक अच्छा अंदाज-ए-बयां है. पहचान की दुनिया ऐसी होती है जिसमें रिश्ते (कभी-कभी सहज रिश्ते) रंगों, फैब्रिक, और राजनीतिक मिजाज के आधार पर ही जुड़ जाते हैं. मसलन, भगवा रंग राजनीति की एक अलग धारा की नुमाइंदगी करता है.

भारत के सबसे गौरवशाली परिधानों में शुमार इकत इसे धारण करने वाली के नफासत भरे सौंदर्यबोध को उजागर करती है. गांधी परिवार की महिलाएं—इंदिरा, सोनिया, प्रियंका— इसकी मिसाल हैं. यह वामपंथी रुझान को भी रेखांकित करती है. दिल्ली में वामपंथी झुकाव वाली बड़ी 'इलीट' जमातों के सदस्य अपनी पहचान के प्रतीक रूप में अभी भी इकत ही धारण कर रहे हैं. इस बीच मशीनी वस्त्रों को आगे बढ़ाने वाले 'रीब्रांडिंग' अभियानों के कारण खादी अपना आकर्षण तेजी से गंवा रही है. खादी अब भारत का सबसे प्रभावशाली कपड़ा नहीं रह गया है, जो अपनी खुरदुरी बुनावट और 'स्वदेशी' राजनीति से जुड़ाव के कारण मशहूर रहा है। सफ़ेद रंग हालांकि सबसे सहज है लेकिन इस परिदृश्य में उसे दफना दिया गया है क्योंकि कम-से-कम भारत में बाकी रंगों से मुक़ाबले में जीत पाना इसके लिए मुश्किल है. इसलिए इसे, वे जिस 'परिवर्तन' का वादा करते हैं उसके गैर-प्रतीक रंग के रूप में इसे चुनने का फैसला राहुल गांधी पर ही छोड़ देना चाहिए. वे सफ़ेद रंग को 'युवा' के रंग के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जो उसकी 'पहुंच' में है क्योंकि कोई भी इसे धारण कर सकता है और उससे अपनी पहचान जोड़ सकता है. इस तरह, वह एक लोकतांत्रिक रंग है। जमीन पर उतारें, तो सफ़ेद रंग के मामले में ऐसा कुछ भी नहीं है।

> **भारतीय राजनीति में, सफ़ेद रंग पारदर्शिता और 'स्वच्छ' छवि का पर्याय नहीं है. और राहुल गांधी के लिए, यह पहचान का पर्याप्त प्रतीक नहीं है।**

भारतीय राजनीति में सफ़ेद रंग के साथ एक पेचीदा घालमेल जुड़ा है. वर्षों से दर्जनों नेताओं के राजनीतिक रेकॉर्ड यही याद दिलाते हैं कि इस रंग को पारदर्शिता का पर्याय तो शायद ही माना जाता है और इसकी छवि भी 'स्वच्छ' शायद ही मानी जाती है. बल्कि सफ़ेद रंग में लिपटे नेताओं को भ्रष्टाचार में लिप्त और नाकाम बताना ज्यादा आसान रहा है.ऐसे में सफ़ेद रंग को 'यौवन', 'नयेपन', या 'आधुनिकता' का रंग बताना एक अच्छा जुमला ही है. हां, यह जरूर नयी बात है कि नेहरू-गांधी परिवार के किसी सदस्य ने फैक्टरी में बने सिले-सिलाए वस्त्र को चुना है. लेकिन सफ़ेद रंग पहचान का प्रतीक बनने के लिए पर्याप्त नहीं है। मोरारजी देसाई से लेकर एम.के. स्टालिन तक, ममता बनर्जी से लेकर राजनाथ सिंह तक, दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से लेकर सचिन पाइलट, ज्योतिरादित्य सिंधिया, राघव चड्ढा या चिराग पासवान जैसे 'युवा' नेताओं तक किसने सफ़ेद रंग को नहीं आजमाया और इसे धारण करते हुए अपना एजेंडा और अपने औज़ार नहीं आजमाए? एम. करुणानिधि सफ़ेद रंग को पीले अंगवस्त्र के साथ, और राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी किसानों वाली हरी पगड़ी या काली इकत जैकेट के साथ सफ़ेद रंग को धारण करते थे। लंबे समय से भारतीय नेता सफ़ेद रंग के जरिए अपना संदेश देते रहे हैं. लेकिन ममता बनर्जी को छोड़ दें तो कम ही महिला नेता इस रंग के जरिए अपना संदेश देती रही हैं. निर्मला सीतारमन, द्रौपदी मुर्मू, स्मृति ईरानी से लेकर अन्नपूर्णा देवी तक शायद ही कभी 'सफ़ेद साड़ी' में दिखी हैं. सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, या जे. जयललिता का भी यह पसंदीदा रंग नहीं रहा, न ही साड़ी से सिर ढके रहने वाली पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटील का रहा जो सफ़ेद साड़ी तो पहनती थीं मगर उसके किनारे रंगीन हुआ करते थे। युवा बांसुरी स्वराज या अब-साड़ी-अपना-रहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी सफ़ेद वस्त्र धारण नहीं करतीं. शुद्ध सफ़ेद रंग पुरुष नेताओं का ही भरोसेमंद रंग रहा है, और उनमें से कुछ तो इसका उम्दा इस्तेमाल करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफ़ेद कुर्ते और चूड़ीदार उम्दा सिलाई और सटीक फिटिंग वाले होते हैं. या रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सफ़ेद कुर्ते घुटनों तक लंबे होते हैं और सलीके से सिले तथा मुलायम कलफ किए होते हैं. इसके साथ कंधों पर शॉल टोपी की तरह रखी होती है. उनका परिधान क्या संदेश दे रहा होता है यह आप गौर कर सकते है।

राहुल गांधी की टी-शर्ट को अगर अपने आकर्षण का जादू बिखेरना है तो इसके डिजाइन में कुछ खेल करने की जरूरत है. जैसे, इसकी किनारे काले रंग के हो सकते हैं या इसके बटन गहरे रंग के हो सकते हैं या इसकी कॉलर काले 'बीज़' रंग की हो सकती है. अगर इन टी-शर्टों को गिनती में शुमार होना है तो वे 'आप' नेता अरविंद केजरीवाल के आम आदमी वाले मफ़लर के भौंडेपन की नकल कर सकती हैं या दूसरे छोर पर मौजूद ममता बनर्जी की सफेदी की सहजता का उपयोग करना पड़ेगा। यह कहना काफी नहीं होगा कि सफ़ेद अब नया वामपंथी रंग है. सफ़ेद वस्त्र भारत में निश्चित ही लोकतांत्रिक या सर्वसुलभ नहीं हो सकते. अहमदाबाद के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में अध्यापन करने वाले डिजाइनर अनुज शर्मा ने कुछ साल पहले मुझसे कहा था, ÷ग्राहक कारीगरों द्वारा हाथ से बुने गए मौलिक सफ़ेद रंग के सुंदर परिधान की मांग करते हैं। उन्हें मालूम नहीं होता कि कारीगरों के पास इन परिधानों को रखने की आलमारी नहीं होती, या उन्हें खुद अपने कपड़े या अपने बच्चों के यूनिफॉर्म टांगने की जगह नहीं होती या ऐसे शुद्ध साधन नहीं होते कि वे अपने हाथों से जो बनाते हैं वे बिलकुल मौलिक सफ़ेद रह सकें।÷ प्रिय राहुल जी, कारीगर की गली से बाहर सफ़ेदी बड़े लोगों का विशेषाधिकार है, जिसकी निरंतर धुलाई, दाग सफाई, और रखरखाव करनी पड़ती है ताकि वह अभियान के लिए मुफीद बनी रहे। इसके बाद जूलिया सौन्नेवेंड की 2024 की किताब 'चार्म÷हाउ मैग्नेटिक पर्सनालिटीज़ शेप ग्लोबल पॉलिटिक्स' को देखें, जिसमें नेताओं को कुछ गुर बताए गए हैं क्योंकि वे ÷विभिन्न मंचों से लोगों के बीच अपनी पहचान प्रस्तुत करते हैं। इन मंचों में मीडिया और सोशल मीडिया भी शामिल हैं. जूलिया प्रामाणिकता, मुखौटे से मुक्ति, और खुद को नये सिरे से प्रस्तुत करने की अवधारणाओं की जांच करती हैं कि दुनियाभर में नेता लोग अपने आकर्षण और रूप-रंग को हथियार के रूप में किस तरह इस्तेमाल करते हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

■ उमेश चतुर्वेदी

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमश÷ 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय़ यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं।

पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए। ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो निश्चित तौर पर आबादी को संतुलित किया जा सकेगा। तब गांव आबादी विहीन नहीं होंगे और शहरों पर आबादी का असंतुलित बोझ नहीं बढ़ेगा। गांवों में हो रही खपत और खर्च को लेकर आ रहे आंकड़ों का पहला असर यही होना चाहिए कि गांवों में आबादी रूके। लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण इलाके में बढ़ते खर्च से अव्वल तो गांवों में रोजगार के साधन बढ़ने चाहिए। लेकिन इस दिशा में ठोस बदलाव होते नजर नहीं आ रहे।

बेशक आज आजादी के बाद के दौर की तरह के बदहाल गांव नहीं हैं। बेशक शहरों जितना उसे बिजली नहीं मिलती, लेकिन पहले की तुलना में अब गांवों को भी बिजली ज्यादा मिल रही है। गांवों में भी उपभोक्ता वस्तुएं पहुंची हैं। इससे बेशक पारंपरिक संस्कृति चोट भले ही पहुंची हो। यह भी सच है कि ग्रामीण विकास और दूसरी कल्याण योजनाओं के जरिए गांवों में केंद्रीय और राज्य सरकारों की ओर से पैसा जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि उस पैसे का एक बड़ा हिस्सा जमीनी स्तर पर खर्च होने की बजाय नौकरशाही और राजनीतिक रिश्वत के रूप में शहरी इलाकों में ही रूक रहा है और वहीं निवेशित हो रहा है। इस लिहाज से देखें तो ग्रामीण इलाके में जैसी समृद्धि दिखनी चाहिए, कम से कम जमीनी स्तर पर वैसी समृद्धि नहीं है। गांवों का जैसा रूप होना चाहिए, वैसा नहीं है। इसलिए सिर्फ घरेलू खर्च के जरिए ही गांवों की खुशहाली और समृद्धि की खोज करना उचित नहीं होगा। यह तभी होगा, जब गांवों की खुशहाली और समृद्धि मापने के लिए समन्वित और समावेशी मूल्यांकन प्रणाली अपनाएंगे, जिसमें यह भी देखा जाएगा कि कितनी ग्रामीण आबादी को मजबूरी में गांव पीछे छोड़ना पड़ा है और कितनी आबादी गांव लौट रही है। गांवों के लिए ऐसी समन्वित नीतियां तैयार करना और उन्हें लागू करना होगा, जिनके जरिए परंपरा भी बची रहे, संस्कृति की धारा भी अजस्त्र बनी रहे, समृद्धि भी आए और गांवों को शहरों का मोहताज नहीं होना पड़े, जैसा महात्मा गांधी चाहते थे।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।

- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1522: ल्यूबेक और डेनमार्क के बीच युद्ध।
- 1641: पुर्तगाल ने मलक्का की खाड़ी औरमलाया डचों को सौंपा।
- 1648: स्पेन और हॉलैंड के बीच शांति समझौता।
- 1649: इंग्लैंड के सम्राट चार्ल्स प्रथम को फांसी दी।
- 1788: ब्रिटेन के चार्ल्स एडवर्ड स्टुअर्ट की रोम में मौत।
- 1790: लाइफबोट के तौर पर निर्मित पहली नाव का टायन नदी में परीक्षण।
- 1902: चीन और कोरिया की स्वतंत्रता पर ब्रिटेन और जापान के बीच पहली 'आंग्ल-जापानी संधि' पर लंदन में हस्ताक्षर।
- 1903: लॉर्ड कर्जन ने मेटकाफ हॉल में इंपीरियल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया।
- 1911: कैनेडियन नेवल सर्विस का नाम बदलकर रॉयल कैनेडियन नेवी किया।
- 1913: हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने आइरिश होम रूल बिल को खारिज किया।
- 1933:हिटलर ने आधिकारिक रूप से जर्मनी के चांसलर की कमान संभाली।
- 1943: स्टालिन ग्राफ के पास सोवियत फौज से जर्मन सेना हारी।
- 1948: नई दिल्ली में महात्मा गांधी की हत्या।
- 1949: रात्रि एयर मेल सेवा की शुरुआत।
- 1964: दक्षिण वियतनाम में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया।
- 1972: पाकिस्तान ने राष्ट्रमंडल से अपना नाम वापस लिया।
- 1979: रोडेशिया में नया संविधान बना। इसमें अश्वेतों को सत्ता में भागीदारी का अधिकार मिला।
- 1989: अमेरिका ने अफगानिस्तान के काबुल में अपना दूतावास बंद किया।
- 1991: इराकी सेना का सउदी अरब की सीमा के नजदीक एक शहर पर कब्जा। इस दौरान 12 अमेरिकी सैनिक मारे गए।

निशाना

छोड़ रहे सब बाण !

-कृष्णेन्द्र राय

वादे और दावे का ।
छोड़ रहे सब बाण ।।
चल रही जो ख़बरें ।
हैं उसका प्रमाण ।।
अपने अपने पाले में ।
है करने का काल ।।
एक दूसरे से शुरू ।
है अभी सवाल ।।
हम ही हैं शुभचिंतक ।
याद है दिलाया ।।
रखना थोड़ा धैर्य ।
है उनका सफाया ।।
चालू है प्रचार ।
है यही निचोड़ ।।
ना जब तक परिणाम ।
हम ही हैं बेजोड़ ।।

सूचना का अधिकार से खुलासा: सेवानिवृत कर्मचारी को संविदा पर नियुक्त कर महंगाई भत्ते का अनुचित लाभ !

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत सोहागपुर से सेवानिवृत्त हुए लेखा अधिकारी को 2 वर्ष के लिए संविदा नियुक्ति पर पदस्थ किए जाने के उपरांत उन्हें पूरे वेतन मान के साथ महंगाई भत्ता दिए जाने का मामला जनपद पंचायत सहित जिला पंचायत में चर्चा का विषय बना हुआ है. इस मामले को लेकर प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारियों को शिकायत कर मामले की जांच की मांग भी की गई है. महंगाई भत्ते के तौर पर दी गई राशि की जो वसूली की जाएगी वह किससे की जाएगी क्योंकि संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों का कार्यकाल तो खत्म हो चुका है.

सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत सोहागपुर से 2 वर्ष पूर्व लेखा अधिकारी पद से सेवानिवृत हुए अशोक दुबे को संविदा में पदस्थ करने के लिए जनपद पंचायत द्वारा प्रस्ताव बनाकर कमिश्नर को भेजा गया था. कमिश्नर द्वारा इस प्रस्ताव को लेकर जनपद पंचायत को सुझाव दिया था कि जनपद पंचायत चाहे तो अशोक दुबे को संविदा के

आधार पर पदस्थ किया जा सकता है. जनपद पंचायत सोहागपुर द्वारा जनवरी 2023 से जनवरी 2025 तक दुबे को संविदा के आधार पर लेखा अधिकारी के पद पर पदस्थ रखा. और उन्हें पूरे वेतन के साथ महंगाई भत्ते का भी लाभ दिया गया. जनपद पंचायत द्वारा दुबे के वेतन निर्धारण को लेकर किसी भी वरिष्ठ स्तर पर परामर्श नहीं लिया गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार जो कर्मचारी सेवा निवृत हो जाते हैं और उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद संविदा के तौर पर 2 साल के लिए पदस्थ किया जाता है तो उन्हें वेतन तो दिया जाता है. लेकिन महंगाई भत्ते आदि की सुविधा नहीं दी जाती है.

जनपद पंचायत सोहागपुर द्वार दुबे को महंगाई भत्ते का भी 2 साल तक लाभ दिया जाता रहा.

बताया जाता है कि जो कर्मचारी सेवानिवृत हो जाते हैं और उन्हें संविदा के तौर पर नियुक्त किया जाते हैं तो उन्हें लेखा संबंधी कार्य पर नहीं रखा जा सकता. लेकिन दुबे 2 साल तक लेखा अधिकारी के तौर पर ही कार्यरत रहे.

जनपद पंचायत सिवनी मालवा में भी सेवानिवृत कर्मचारी अशोक चौहान को जनपद पंचायत के द्वारा कमिश्नर को भेजे प्रस्ताव के अनुसार संविदा पर पदस्थ किया गया है. लेकिन उन्हें अभी तक वेतन नहीं दिया गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार संविदा में पदस्थ चौहान के वेतन निर्धारण को लेकर संचालनालय पंचायती राज से परामर्श मांगा गया है.वहां से परामर्श मिलने के बाद ही उन्हें वेतन का भुगतान किया जाएगा. बताया जाता है कि जो कर्मचारी सेवा निवृत के बाद संविदा के तौर पर पदस्थ किए जाते हैं उन्हें पूर्व की भांति पूरा वेतन नहीं दिया जाता और महंगाई भत्ते आदि का लाभ भी नहीं दिया जाता.

सड़क सुरक्षा अभियान में थीम 'परवाह' के अंतर्गत बांटे हेल्मेट

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम : सांसद दर्शन चौधरी

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 1 जनवरी से 31 जनवरी तक 'परवाह' थीम के साथ देश भर में चल रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत आज जिला परिवहन विभाग नर्मदापुरम द्वारा पिपरिया में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान में होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर दुपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए। सड़क सुरक्षा माह के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आमजन से यातायात नियमों का पालन करने

की अपील की, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। अभियान के तहत लोगों को ट्रैफिक नियमों की शपथ दिलायी गई। इसके साथ ही जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गये। खासतौर पर सीट बेल्ट और हेलमेट के उपयोग पर जोर दिया। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर भी लगाए जा रहे हैं। इस अभियान में तेज गति से वाहन न चलाने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी न बैठाने, और वाहनों के शीशों पर काली फिल्म न लगाने जैसे महत्वपूर्ण नियमों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। यह पहल जिले में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत पिपरिया में हेलमेट पहनकर बाइक चालकों को फूल देकर किया प्रोत्साहित

नर्मदापुरम। बुधवार को सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों के तहत नर्मदा पुरम जिले के पिपरिया तहसील में परिवहन विभाग द्वारा जन जागरूकता हेतु अभियान चलाया गया। जिसमें जिले के सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने शामिल होकर उत्साह के साथ लोगों को यातायात नियम के प्रति जागरुक करते हुए निशुल्क हेलमेट का वितरण किया एवं मार्ग पर चल रहे बिना हेलमेट पहने बाइक सवारों को यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाते हुए किसी भी दोपहिया वाहन के संचालन के समय दुर्घटना से बचाव हेतु जागरूक किया एवं हेलमेट पहनने से होने वाले लाभ बताएं। जो दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहन कर बाइक चलाते देखे गए उन्हें गुलाब का फूल देकर प्रोत्साहित किया गया। सांसद श्री चौधरी द्वारा लोगों को हेलमेट न पहनने की लापरवाही न करने की नसीहत दी गई एवं एक्सीडेंट में होने वाले नुकसान को बताया गया। सांसद द्वारा बताया गया कि अधिकांश दुर्घटना के मामलों में मृत्यु एवं बड़ी चोट की वजह हेलमेट का न पहनना होता है। श्रीमती माया नारोलिया ने लोगों से अपील की करते हुए कहा कि बिना हेलमेट के बाइक ना चलाएं और अपने एवं अपने परिवार को ध्यान में रखते हुए यातायात के नियमों का पालन करें। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने भी लोगों को हेलमेट पहनकर ही सफर करने का संकल्प लेते हुए सभी से हेलमेट पहनने का निवेदन किया। आरटीओ श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत लगातार परिवहन विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षात्मक परिवहन करने के लिए कहा जा रहा है। पिपरिया में हुए इस सफल जन जागरूकता कार्यक्रम के में बनखेड़ी से बद्रीप्रसाद बिठारिया, कुलदीप एंटरप्राइसेज एवं केतन

साहू, कृष्ण ऑटोमोबाइल बनखेड़ी का विशेष सहयोग रहा।

सांसद के प्रयासों से नर्मदापुरम में रुकेगी नागपुर वंदे भारत ट्रेन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम में अब नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस के स्टॉपेज से लोग काफी उत्साहित हैं। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा 27 जनवरी को जारी पत्र के अनुसार 20911/ 20912 इंदौर-1. नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का नर्मदापुरम स्टॉपेज किया जा रहा है।

गौरतलब है कि होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से दिनांक-16 जनवरी 2025 नई दिल्ली में को लिखित पत्र के माध्यम से आग्रह किया था। जिसे स्वीकार करते हुए रेल मंत्रालय द्वारा नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का नर्मदापुरम स्टॉपेज किया जा रहा है। इस मौके पर होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी

लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने रेल मंत्री का किया आभार व्यक्त

ने कहा कि जनता की मांग पर नर्मदापुरम में नागपुर वंदे भारत ट्रेन के ठहराव की कोशिश की थी तथा इसको लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा रेलवे बोर्ड से लगातार चर्चा की गई। इसके बाद वंदे भारत ट्रेन का ठहराव नर्मदा पूर्व में सुनिश्चित हुआ है। जिसको लेकर जनता में काफी उत्साह है। इस मौके पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का क्षेत्र की जनता जनार्दन की ओर से सादर आभार व्यक्त किया।

तेंदूखेड़ा के कपिल का एमरजेंसी मेडियन के पद पर हुआ चयन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक दस के निवासी कपिल प्रभाकर एमबीबीएस डाक्टर का नीट पी जी में वर्ष 2024 25 में परीक्षा में। राजस्थान के अजमेर जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में एम डी इमरजेंशनी मेडियन की सीट के लिए चयन हुआ है

कपिल प्रभाकर रिटायर पुलिसकर्मी भागुलाल प्रभाकर के छोटे पुत्र हैं उन्होंने बताया कि कपिल ने एक वर्ष पूर्व एमबीबीएस पूरी कर ली थी एक वर्ष से नीट की पूरी मेहनत से तैयारी कर रहे थे उनकी मेहनत रंग लगाई और अब वह राजस्थान पंडित जवाहर लाल नेहरू एमरजेंसी मेडियन की सीट पर चयनित हो गए हैं कपिल की इस उपलब्धि पर उनके माता पिता भाई बहन ओर सहयोगीयो ने उनको शुभकामनाएं दी है

बीएमसी टूर्नामेंट का हुआ फाइनल मुकाबला

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

बीएमसी टूर्नामेंट का फाइनल मैच 26 जनवरी को सेमरी राइफल 11 वर्सेस नर्मदा पुलिस 11 के बीच खेला गया नर्मदापुरम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। नर्मदा पुरम ने सेमरी को 9 ओवर में 74 रन पर ऑल आऊट कर दिया नर्मदापुरम के गेंदबाज कार्तिक ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए और मैन ऑफ द मैच नर्मदा पुरम के ऑलराउंडर कार्तिक को दिया गया बेस्ट बॉलर सुनील साहू को दिया गया यहां मैच नर्मदा पुरम ने मैच 8 विकेट से अपने नाम किया तवानगर टूर्नामेंट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिवनारायण धुर्वे सरपंच,विधायक प्रतिनिधि श्रीमती रीता सिंह ठाकुर, विनोद केवट मंडल उपाध्यक्ष, रविशंकर पासी उप सरपंच,भूपेंद्र साहू,राम कुमार पिपल,संतोष चौरसिया, वीरेंद्र पाटिल है।

कृषि विद्यालय पवारखेड़ा में केरियर मेले का आयोजन, विशेषज्ञों ने दी अहम जानकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

लोक शिक्षण संचालनालय समग्र शिक्षा अभियान भोपाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार सी.एम. राईज शा. कृषि उ. मा. वि. पवारखेडा में केरियर मेला का आयोजन किया गया, जिसमें केरियर के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विविध जानकारियां प्रदान की गई। सभी विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक विभिन्न क्षेत्रों में केरियर बनाने से संबंधित जानकारियां प्राप्त की। इस केरियर मेले में विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन हेतु डॉ. शशि भूषण [CIEF केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान] तथा डॉ. हर्षा हरिदास [कृषि अधिकारी] को आमंत्रित

किया गया। उन्होंने केरियर के विभिन्न क्षेत्रों की अत्यंत उपयोगी, रोचक एवं विविध जानकारियां प्रदान करते हुये विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया ।

प्राचार्य संदीपन नीखर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में सफलता हेतु लक्ष्य तय करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला ।कार्यक्रम में वरिष्ठ व्याख्याता संतोष साहू , श्रीमती कीर्ति तिवारी और नीलिमा साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष शर्मा ने किया ।

मेट्रो एंकर गुबरा गांव के हैंडपंप में अज्ञात व्यक्ति ने मिलाया जहर, जानकारी मिलने पर एसडीएम ने जिला कलेक्टर को दी जानकारी

पानी पीने से एक युवक हुआ बेहोश, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बग़दरी के गुबरा गांव में किसी अज्ञात व्यक्ति ने सार्वजनिक हैंडपंप में जहरीली दवा मिला दी जब बुधवार सुबह गांव के लोग हैडपंप पानी भरने गए और एक युवक ने उसी पानी से कुल्ला कर लिया तो कुछ ही देर में उसे चक्कर आने और वह बेहोश होने लगा लोगो ने उसे उठाया और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य लेकर पहुंचे। जहां इलाज के बाद वह ठीक हुआ

सरपंच और अन्य लोग भी हैंडपंप के पास पहुंचे तो उन्होंने हैडपंप चलाया तो पानी की जगह उसमें झाग निकलने लगा। पास में ही जहरीली दवा की शीशी मिली जिससे यह तय हो गया कि किसी ने

हैंडपंप में जहरीली दवा मिलाई है। सरपंच प्रतिनिधि ने तेंदूखेड़ा थाने में लिखित सूचना दी और पीएचई कार्यालय को अवगत कराया। कलेक्टर के निर्देश के बाद पीएचई की टीम हैंडपंप के पानी की जांच करने के लिए गांव पहुंची है सरपंच प्रतिनिधि नोनेलाल अहिरवार ने बताया कि गुबरा ग्राम पंचायत बगदरी के अधीन आता है। सुबह सुबह नीलेश नामक युवक हैंडपंप गया। उसने पानी से कुल्ला किया थोड़ी ही देर में उसे चक्कर आने लगे। बाद में हमलोगों ने पहुंचकर देखा तो हैडपंप से पानी की जगह सफेद झाग निकल रहा था और अजीब बदबू आ रही थी।

सबसे पहले मैने सभी ग्रामीणों को हैडपंप के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाया ओर तेंदूखेड़ा आकर मामले की सूचना तेंदूखेड़ा पुलिस ओर पीएचई विभाग को दी

कलेक्टर को दी जानकरी

इस संबंध में तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने बताया की गुबरा गांव में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा हैंडपंप में जहरीली दवा मिला दी है जिसके बाद कुछ लोग प्रभावित हुए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने कलेक्टर को भी दी है। कलेक्टर के निर्देश पर पीएचई विभाग की टीम पानी की जांच करने के लिए पहुंच रही है

सिरोंज की दरी आर्ट विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी, अब पुनः पल्लवित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा सिरोंज में बनने वाली दरी की ख्याति चहूंओर फैली हुई थी। पिछले कुछ वर्षो से सिरोंज दरी आर्ट विलुप्ति की कगार पर पहुंच गया था किन्तु अब पुनः पलवित हुआ है। नाबार्ड की सहायता से सिरोंज दरी आर्ट को पुनः पंख मिले है और अपनी पुरानी ख्याति को पुर्नस्थापित करने की ओर अग्रसर हुआ है।

नाबार्ड की जिला प्रबंधक श्रीमती जसप्रीत कौर ने बताया कि नाबार्ड की सहायता से महिलाओं के स्वसहायता समूहो को दरी आर्ट से भलीभांति प्रशिक्षित ही नहीं किया गया बल्कि उन्हें दरी निर्माण सामग्री, आठ लूम लगाकर दरी निर्माण के कार्य को गति दी है। महिला स्वसहायता समूह की 60 सदस्यों के द्वारा दरी उत्पादन के कार्य को आगे बढाया गया है। नाबार्ड की सहायता से सिरोज दरी को विक्रय के लिए मार्केटिंग व प्रशिक्षण दोनो की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। दरी उद्योग कॉमन फेसिलिटी सेन्टर चंदेरी से टाइअप कर नए प्रगति के मार्ग की ओर अग्रसर हो रहा है।

सिरोंज शहर के वार्ड 4 हाजीपुर में स्थापित दरी उद्योग का बुधवार को नाबार्ड की जिला प्रबंधक श्रीमती जसप्रीत कौर, एसडीएम हर्षल चैधरी, एलडीएम भगवान सिंह बघेल ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर दरी उद्योग के पुर्नस्थापन कार्यो को देखा और महिला स्व-सहायता समूह के द्वारा की जा रही पहल का हौंसला अफजाई किया है। नाबार्ड की जिला प्रबंधक श्रीमती कौर ने बताया कि सिरोंज में बनने वाली दरी से समूह के द्वारा अब तक एक लाख रूपए से अधिक की आमदनी प्राप्त की गई है नाबार्ड के द्वारा आयोजित तीनो मेलो में सिरोंज दरी विक्रय के स्टॉल समूह के द्वारा लगाए गए थे। छह बाई साढे तीन मीटर साइज की दरी की कीमत 1200 रूपए है। सिरोंज पुनः दरी क्षेत्र उत्पादन की ऐतिहासिक ख्याति को पुनः अर्जित करने की ओर अग्रसर है।

कलेक्टर ने पौआनाला क्षेत्र का भ्रमण किया

अनुपस्थित अतिथि शिक्षकों पर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को ग्राम पंचायत पौआनाला में संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारियां भ्रमण कर प्राप्त की है। गौरतलब हो कि पीएम आदर्श ग्राम में शामिल ग्राम पंचायत पौआनाला में आदर्श ग्राम की निहित बिन्दुओं के तहत कार्यो का संपादन किया जा रहा है कि नहीं इसके अलावा जिन विभागो के द्वारा आदर्श ग्रामो में कार्य किए जाने है उन विभागो की उपलब्धियां किस स्तर पर परलिक्षित हो रही है इत्यादि का भ्रमण कर जायजा लिया है।

भ्रमण के दौरान एसडीएम क्षितिज शर्मा, आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारूल जैन, नायब तहसीलदार इदरीस खॉन के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी साथ मौजूद रहें।

कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य व अद्योसंरचना के साथ-साथ शासकीय निर्माण कार्यो का जायजा लिया है। उन्होंने ग्राम पौआनाला में पीएम जनमन योजना के तहत बनाए गए आवासो का अवलोकन ही नहीं किया बल्कि लाभांवित होने वाले हितग्राहियों से संवाद किया है। चर्चा के दौरान शासन की अन्य योजनाओं के लाभो की प्राप्ति की पुष्टि की गई है।

कलेक्टर श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राही करन सिंह आदिवासी के मकान पर पहुंचकर चर्चा की और उन्हें मकान में दरवाजा खिड़की व प्लस्टर कराने के कार्य शीघ्र कराने से अवगत कराते हुए कहा कि जब आपको राशि पूरी मिल गई है तो आवास आधा अधूरा नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्थानीय सब इंजीनियरों से कहा कि वे हितग्राही के इस कार्य में मदद करें ताकि समय पर पूरे कार्य हो जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पौआनाला में ग्रामीण महिलाएं स्वउद्योग की शक्ति आत्म निर्भरता की पहचान के तहत पालन गौमय उत्पाद पालन स्वालम्बन केन्द्र के माध्यम से गोबर से बनाए जाने वाले नवीन उत्पादो का अवलोकन किया और महिलाओं के द्वारा किए जा रहे नवाचारो की प्रशंसा की है। इसके अलावा पालन सेवा फाउंडेशन के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वालम्बन के लिए संकल्पित कार्यो को दिए जा रहे मूर्त स्वरूप का अवलोकन किया है।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने ग्राम पिपरिया अजीत में स्कूल व आंगनबाडी केन्द्र का निरीक्षण किया शासकीय माध्यमिकम शाला पिपरिया अजीत में अतिथि शिक्षक सहित पांच में से दो ही शिक्षक स्कूल में उपस्थित मिलने पर डीपीसी को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए है। उन्होंने सीएससी की काउंसलिंग प्रक्रिया अवकाश दिवसो में करने के निर्देश दिए है। इसी प्रकार ग्राम की आंगनबाडी केन्द्र में आशा कार्यकर्ता व सहायिका दोनो अनुपस्थित पाए जाने पर, आंगनबाडी केन्द्र के सामने नाला होने व बच्चो के आने जाने के मार्ग में अवरूद्ध पाए जाने पर जनपद के एई को निर्देश दिए है कि मार्ग दुरूस्ती का कार्य कराएं साथ ही पुरानी जीर्णशीर्ण प्राथमिक शाला को डिस्मेंटल कर उक्त भूमि का उपयोग बच्चों के खेलने के उपयोग हेतु तैयार कराएं। कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम क्षितिज शर्मा को निर्देशित किया कि स्कूल व आंगनबाडी केन्द्र का जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अनुपस्थितों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूल की बाउण्ड्रीवाल निर्माण का स्टीमेंट तैयार करने के निर्देश उपयंत्रियों को दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारूल जैन को निर्देश दिए है कि पीएम आदर्श ग्राम पंचायत पिपरिया अजीत में निर्धारित पैरामीटरो के अनुरूप कार्य संपादन हो इसके लिए संबंधित विभागो की बैठक ग्राम पिपरिया अजीत में आयोजित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में जो अधिकारी अनुपस्थित रहते है कि जानकारी मेरे संज्ञान में लाएं ताकि उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा सके।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायत सचिव श्री ओमप्रकाश विश्वकर्मा को निर्देश दिए है कि स्कूलो व आंगनबाडी केन्द्रो के पहुंच मार्ग सबसे पहले ठीक कराएं और प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अनुरूप जा कार्य कराए जाने है उन्हें सूचीबद्ध करें। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणो से संवाद कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारियां प्राप्त की है जिसमें खास तौर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की प्राप्ति कैसे होती है डिलेवरी कहां होती है इत्यादि के अलावा पेयजल आपूर्ति के लिए नलजल योजनाओं के कार्यो की जानकारियां जानी है।

विद्यालयों के संचालकों की थाना प्रभारी ने ली बैठक दायित्वों से कराया अवगत

सिरोंज। थाना सिरोंज में पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मार्गदर्शन थाना प्रभारी सिरोंज द्वारा विद्यालय के संचालकध् प्राचार्य की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा का दायित्व स्कूल संचालकों ध् प्राचार्यो का दायित्व है। बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जावे। स्कूल वेन या बस पर स्कूल का नाम अनिवार्य रूप से डिस्पले होना चाहिए। स्कूल बस पर तेज ड्राइविंग की स्थिति में शिकायत के लिए नंबर डिस्प्ले होना चाहिए। विद्यालय में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगाएं जावे। स्कूल के सभी सपोर्टिंग स्टॉफ का चरित्र सत्यापन सत्यापन कराया जाये। स्कूल स्तर पर महिलाओं और बच्चियों के लैंगिक शौषण, संरक्षण से संबंधित समिति बनाई जावे। महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों तथा कानूनी अधिकारों को शिक्षा दी जावे। स्कूल परिसर में विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1098, 100, 1930 इत्यादि डिस्प्ले किया जाये। स्कूल में प्राप्त होने वाली शिकायतों पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए। इस दौरान स्कूल संचालक उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों को कराया जंगल का भ्रमण पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

गंजबासौदा। वन परिक्षेत्र अंतर्गत वन अनुभूति कार्यक्रम में हामिदपुर वन परिक्षेत्र में 120 छात्र छात्राओं को जंगल का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों का वन, वन्यजीव एवं पर्यावरण के बारे में बताया गया। एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी सहित अतिथि सम्मलित हुए। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर रेंजर देवेश गौतम एवं प्रवीण विश्वकर्मा द्वारा बच्चों को पर्यावरण एवं वन्यजीवों की विविध जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अशोक गौर वनपाल, लक्ष्मी पंथी, प्रथम जैन, कृष्णपाल सिंह राजपूत, देवेंद्र राजपूत मौजूद थे।

समग्र पोर्टल 4 से 10 फरवरी तक बंद रहेगा

सिरोंज। विदिशा समग्र पोर्टल सर्वर माइग्रेशन का कार्य होने के फलस्वरूप फरवरी माह की 4 से 10 तारीख तक समग्र पोर्टल उपलब्ध नही रहेगा। यह जानकारी युक्त सूचना जिले के समस्त नगरीय निकायश्जनपदों को अपने कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कराने के निर्देश प्रसारित किए गए ताकि स्थानीय नागरिकों की जानकारी में आ सकें। लोक सेवा गारंटी के जिला प्रबंधक अमित अग्रवाल ने बताया कि एमपीएसईडीसी द्वारा संचालित समग्र पोर्टल एवं समस्त संबंधित एप्लीकेशंस समग्र पोर्टल, एसपीआर, बीपीएल पोर्टल और बेव सर्विसेज फॉर एपीआई को शीघ्र ही नये सर्वर इंफा पर माइग्रेट करने की प्रक्रिया की जानी है इस लिए नए सर्वर इंफ्रा पर माइग्रेट करने से समग्र एप्लीकेशन की दक्षता और कार्यक्षमता में सुधार होकर समग्र एप्लीकेशन के माध्यम से बेहतर सेवाएँ प्रदान की जा सकेंगी। सर्वर माइग्रेशन का कार्य चार फरवरी की रात्रि से दस फरवरी की रात्रि तक किया जाना प्रस्तावित है। इस अवधि मे लगभग 6 दिवस तक समग्र पोर्टल एवं समस्त संबंधित एप्लीकेशंस को पूर्णतः बंद रखा जाएगा।

जनसुनवाई में आवेदक की समस्या हुई हल

मृतक के परिजनों के बैंक खाते में कृषि वाणिज्यिक शाखा ने भेजी दो लाख रुपए की बीमा क्लेम राशि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन को गंभीरता से लेते हुए आवेदक की समस्या को हल कराया है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर स्वर्गीय श्री प्रकाश सेन के पिता श्री गोवर्धन सेन को भारतीय स्टेट बैंक की कृषि वाणिज्यिक शाखा द्वारा दो लाख रुपये का बीमा क्लेम सौंपा गया है। इस योजना के अंतर्गत नॉमिनी श्री गोवर्धन सेन को दो लाख की राशि मिली है। जो इस दुख की घड़ी में उन्हें काफी सहायता प्रदान करेगी। यह राशि नॉमिनी श्री सेन के बचत खाते में जमा कराई गई है। जबकि पूर्णतः दस्तावेज प्रेषित ना करने पर दावा मिलने में विलंब हो रहा था। जिस पर मृतक के परिजनों ने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह को अपनी व्यथा सुनाई।

कलेक्टर ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही अग्रणी जिला प्रबंधक को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए थे। प्रबंधक के सहयोग से सभी दस्तावेज पूर्ण कराए जाकर बीमा कंपनी को प्रेषित कराए गए और बीमा दावा की राशि नॉमिनी के पिता श्री गोवर्धन सेन के खाते में जमा कराई गई। जनसुनवाई में समस्या का हल हो जाने पर गोवर्धन सेन सहित अन्य आवेदकों का भी विश्वास बढ़ा है। जनसुनवाई में समस्या का बिना किसी देरी के निराकरण हो जाने पर जनसुनवाई के कार्यों की चहूंओर प्रशंसा हो रही है।

प्रबंधक विदिशा द्वारा समस्त बैंकों के खाता धारकों को सूचित किया गया है कि वह सभी अपने बचत खातों में उक्त योजना का लाभ लें एवं बीमा अवश्य कराएं ताकि, दुर्घटना की स्थिति में परिवार के लिए सहायता राशि मिल सके जो उनके लिए एक बड़ा संबल प्रदान करती है।

जिले की 146 गौ-शालाओं को 2 करोड 88 लाख 93 हजार अनुदान राशि जारी

कलेक्टर के विशेष प्रयासों हुआ संभव

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के विशेष प्रयासो पर जिले में संचालित शासकीय, अशासकीय गौ-शालाओं को तीन माह सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर की अनुदान राशि कुल दो करोड 88 लाख 93 हजार 780 रूपए जारी किए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के सभी गौ-शाला संचालको से कहा है कि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई चरनोई भूमि पर बहुवर्षीय हरा चारा विकासखण्ड स्तरीय कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर लगाया जाये। जिससे की गौशालाओं में संरक्षिक गौवंश को वर्ष भर पौष्टिक हरा चारा उपलब्ध हो सके।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक एनके शुक्ला ने बताया कि जिले में वर्तमान में 128 शासकीय व 18 अशासकीय गौ-शालाएं संचालित है जिसमें लगभग 1650 गौ-वंश है। शासन द्वारा प्रतिमाह मध्यप्रदेश गौ-संवर्धन बोर्ड भोपाल के माध्यम से गौ-वंश को चारा, भूसा हेतु अनुदान राशि का वितरण प्रतिदिन प्रति पशु 20 रूपए के माने से दिया जा रहा है।

जिले में सितम्बर माह में संचालित 94 गौ-शालाओं के 14523 गौ-वंश के लिए 87 लाख 13 हजार आठ सौ रूपए, अक्टूबर माह में संचालित 112 गौ-शालाओं के 16539 गौवंश के लिए एक करोड दो लाख 54 हजार 180 रूपए तथा नवम्बर माह में संचालित 110 गौ-शालाओं के 16543 गौवंश के लिए 99 लाख 25 हजार आठ सौ रूपए की राशि जारी की गई है इस प्रकार तीनो माह के लिए कुल दो करोड 88 लाख 93 हजार 780 रूपए की अनुदान राशि जारी की गई है।

मेट्रो एंकर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत आवास प्लस सर्वे में उपलब्ध कराई सुविधा

अब हितग्राही घर बैठे स्वयं अपने मोबाइल एप्लीकेशन से करा सकेंगे पंजीयन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आवेदन को सरल बनाने के लिए आवास प्लस सर्वे एक मोबाइल एप्लीकेशन सुविधाएं शुरू कि गई है। इस एप्लीकेशन की मदद से आप घर बैठे ही अपने मोबाइल फोन से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का आवेदन कर सकते हैं। आवास प्लस सर्वे एप्लीकेशन के माध्यम से हितग्राही अपना स्वयं का सर्वे कर सकते हैं और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत सरकार पात्र लाभार्थियों को अपना घर बनाने के लिए 1.20 लाख से 1.30 लाख रुपए की सहायता प्रदान करती है।

मोबाइल से पंजीयन के लिए आवास प्लस सर्वे एप्लीकेशन को डाउनलोड करने के लिए आप गूगल प्ले स्टोर पर जा सकते हैं और आवास प्लस सर्वे एप सर्च कर सकते हैं। इसके बाद आप एप्लीकेशन को डाउनलोड और इंस्टॉल कर सकते हैं और इसका उपयोग कर सकते हैं।

प्रधान मंत्री आवास योजना

ग्रामीण के तहत आवास प्लस सर्वे हितग्राहियों को पंजीयन कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिसके तहत नये पैरामीटर बिंदुओं के अंतर्गत पात्रता रखने वाले हितग्राही सेल्फ सर्वे (स्वयं के आवास का) कर सकेंगे यह सुविधा उपलब्ध है। इसके लिए हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन ने बताया कि हितग्राही स्वयं पंजीयन कैसे करें तदनुसार सर्वप्रथम चउंलहण्दपबण्पद बेवसाईट पर जाएं फिर मेन मीनू में जाए,आवास प्लस 2024 सर्वे पर क्लिक करें, डाउनलोड करें,आधार फेस आर.डी. तथा लेटेस्ट एप वर्जन फार आवास प्लस 2024 सर्वे,भाषा का चयन करें,जरूरी एप परमीशन स्वीकृत करें,स्वयं सर्वेक्षण का विकल्प ले इसके बाद अपना आधार नंबर डालकर प्रमाणित करें पुनः आवश्यक परमीशन देवें चेक बाक्स पर टिक करें परमीशन देवें कैमरे से अपनी फोटो केप्चर करें, ठीक है दर्ज करें ,पिन नंबर बनाना है। पिन नंबर डालकर लॉगिन करने के बाद राज्य, जिला, ब्लाक, पंचायत, ग्राम का चयन करें। सर्वे जोडे ध् संपादित करें ऑपशन का चयन करें (जीपीएस ऑन करे)

व्यक्तिगत जानकारी भरें आवास प्लस सर्वे में परिवार के सदस्य जोडे एवं जानकारी भरें (परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी भरे) मुखिया के रूप में किसी एक सदस्य का चयन करें बैंक खाता की जानकारी देवें एवं आगे बढ़ें आवास से संबंधित प्रश्नों को भरें पुराने घर की फोटो खीचकर टिप्पणी सहित अपलोड करें जिस स्थान पर मकान बनाना है वास्तविक स्थल की फोटो अपलोड करें।

लाभार्थी की प्राथमिकता चुने

भरी हुई जानकारी का रिचेक कर ले घोषणा चेक करके डाटा सेव करें आधार से वेरीफाई कर डाटा अपलोड करें उक्त प्रकिया के क्रियान्वयन में कहीं दिक्कत आती है तो जिला पंचायत के नोडल अधिकारी श्रीमती सविता जैन से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

रणजी ट्रॉफी: कोहली ने आधे घंटे नेट्स पर बैटिंग की, 15 मिनट थ्रो डाउन प्रैक्टिस

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय बैटर विराट कोहली 12 साल के बाद रणजी ट्रॉफी में खेलने को तैयार हैं। नवबंर 2012 के बाद अपना पहला रणजी ट्रॉफी मुकाबले से पहले कोहली नेट्स पर जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने जमकर मैदान पर पसीना बहाया। रणजी ट्रॉफी 2024-25 का अगला राउंड 30 जनवरी से शुरू होगा। इसमें कोहली रेलवे के खिलाफ दिल्ली के लिए खेलेंगे। कोहली सुबह 8 बजे अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे। इसके बाद उन्होंने एक घंटा से ज्यादा समय जिम में बिताया। फिर वे मैदान में आए और खिलाड़ियों के साथ वॉर्म-अप किया, फिर बैटिंग शुरू कर दी।

वहीं, कोहली के क्रेज को देखते हुए बीसीसीआई ने दिल्ली और रेलवे के बीच खेले जाने वाले इस मुकाबले को लाइव करने का फैसला किया है। इसकी जानकारी एक अधिकारी ने दी। कोहली ने 20 मिनट फास्ट बॉलर्स को फेस किया कोहली ने करीब 45 मिनट नेट पर बिताया। सबसे पहले उन्होंने थ्रो-डाउन का सामना किया। उन्हें दिल्ली के रणजी ट्रॉफी थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट अभिषेक सक्सेना ने करीब 15 मिनट प्रैक्टिस कराई। कोहली इसके बाद फास्ट बॉलर्स के नेट पर गए। यहां उन्होंने लगभग 20 मिनट फास्ट बॉलर्स को फेस किया। इस दौरान मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा और राहुल गहलोत ने उन्हें गेंदबाजी की। कोहली को नेट्स के दौरान तेज गेंदबाज सिद्धांत शर्मा ने कई बार परेशान किया। वहीं, उन्होंने करीब 10 मिनट स्पिनर्स का सामना किया।

दिल्ली और रेलवे के मैच होगा लाइव

मैच जियो सिनेमा पर देख सकेंगे दर्शक इस मैच का लुफ्त दर्शक घर बैठे भी उठा सकेंगे। दिल्ली और रेलवे के बीच खेले जाने वाले इस मुकाबले का लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा एप और वेबसाइट पर होगा। पहले यह मैच लाइव नहीं होने वाला था, लेकिन कोहली के आने के बाद फैसला लिया गया है कि मैच लाइव होगा। ष्ठष्ठष्ट के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को क्च्ष्ष्टद्ध का लेटर आया कि इस मैच का लाइव होगा। अब ष्ठष्ठष्ट इसकी तैयारी में जुटा है।

हम अभी पॉइंट्स टेबल के बारे में नहीं सोच रहे- बडोनी दिल्ली के रणजी कप्तान आयुष बडोनी ने बुधवार को प्रैक्टिस के बाद कहा, हम अभी पॉइंट्स टेबल के बारे में नहीं सोच रहे है। विराट भईया (विराट कोहली) के आने से हम सभी मोटिवेटेड हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को कॉन्फिडेंट रहने के लिए समझाया है। उनके साथ खेलने में मजा आएगा।

सहवाग की कप्तानी में आखिरी बार उतरे थे कोहली विराट कोहली ने 2006 में तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। उन्होंने दिल्ली के लिए 23 रणजी मैच खेले हैं, जिसमें 50 की औसत से 1574 रन बनाए हैं। उन्होंने टीम के लिए 5 सेंचुरी भी लगाई हैं। विराट ने 2012 में अपना आखिरी रणजी मैच वीरेंद्र सहवाग की कप्तानी में खेला था, जबकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने क्क्की कमान संभाली थी। मैच गाजियाबाद के नेहरू स्टेडियम में खेला गया था।

ट्रायथलॉन में आध्या ने कांस्य पदक जीता

नईदिल्ली. एजेंसी

मध्य प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नेशनल गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों आध्या सिंह और श्रेया अग्रवाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं और आने वाले दिनों में और पदक जीतने की पूरी उम्मीद है। नेशनल गेम्स 2025 की ट्रायथलॉन व्यक्तिगत स्पर्धा में मध्य प्रदेश की आध्या सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 750 मीटर तैराकी, 20 किलोमीटर साइक्लिंग और 5 किलोमीटर दौड़ पूरी कर कुल 1 घंटा 10 मिनट 47 सेकंड का समय निकाला। आध्या मात्र 4 सेकंड के अंतर से रजत पदक से चूक गईं। मंत्री विश्वास सारंग ने उनकी इस उपलब्धि पर कहा, आध्या सिंह का प्रदर्शन सराहनीय है। उन्होंने अपने दमदार खेल से मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। उत्तराखंड में चल रही 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग स्पर्धा में मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए फाइनल में जगह बना ली।

तैयारी: अब जल्द में आ सकता है रिलायंस जियो का मेगा आईपीओ!

मेट्रो बाजार

मुंबई. एजेंसी

करीब 5 साल से रिलायंस जियो इंफोकॉम के आइपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए बड़ी खबर है। रिलायंस जियो का आइपीओ जल्द ही आ सकता है। रिलायंस जियो की मार्केट वैल्यू 8.4 लाख करोड़ रुपए यानी 100 अरब डॉलर के आसपास है। जब इसका आइपीओ आएगा तो यह भारत का सबसे बड़ा

आइपीओ हो सकता है। रिलायंस जियो के पास करीब 47.9 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं और यह भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। मुकेश अंबानी ने साल 2019 में रिलायंस की वार्षिक बैठक में ऐलान किया था कि अगले 5 साल में वह टेलीकॉम और रिटेल कंपनी को बाजार में लिस्ट कराने का इरादा रखते हैं। रिलायंस जियो को स्पिन-ऑफ के जरिए रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग किए जाने के बाद प्राइस डिस्कवरी सिस्टम के तहत शेयर बाजार में लिस्ट कराया जा सकता है। इसी तरह जियो फाइनेंशियल शेयर बाजार में लिस्ट हुआ था। पूरा आइपीओ ऑफर-फॉर-सेल हो सकता है और माइनॉरिटी शेयरहोल्डर्स अपना स्टेक बेच सकते हैं। जियो आइपीओ रूट के जरिए आगे बढ़ सकती है। वहीं, रिलायंस रिटेल का आइपीओ जियो के साथ नहीं, उसके अगले साल आएगा।

बफे ने एपल में अपनी 25 % हिस्सेदारी बेची कैश स्टॉक बढ़कर 27.36 लाख करोड़ हुआ

नईदिल्ली. एजेंसी

अमेरिकी अरबपति और निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने आईफोन बनाने वाली एपल में एक बार फिर अपनी हिस्सेदारी 25 फीसदी बेच दी है। इस बिकवाली के बाद वॉरेन बफे का कैश स्टॉक थर्ड क्वार्टर में बढ़कर रिकॉर्ड 325.2 बिलियन डॉलर (करीब 27.36 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। बर्कशायर हैथवे ने स्टेटमेंट में इस बात की जानकारी दी है। तीसरे क्वार्टर में कंपनी की एपल में हिस्सेदारी अब 69.9 बिलियन डॉलर रह गई है। दूसरे क्वार्टर में यह 84.2 बिलियन डॉलर थी। बर्कशायर ने पहली बार 2016 में एपल में अपनी हिस्सेदारी का खुलासा किया था।

2021 के आखिरी तक बर्कशायर के पास 31.1 बिलियन डॉलर की वैल्यू के 908 मिलियन एपल शेयर्स थे। तीसरे क्वार्टर में बर्कशायर शेयरों की नेट सेलर रही है। कंपनी ने सितंबर तक तीन महीनों में 34.6 बिलियन डॉलर की नेट सेलिंग की है। बफे ने तीन महीने पहले भी एपल में अपनी करीब 50 फीसदी हिस्सेदारी बेच दी थी। इस बिकवाली के बाद तब बफे का कैश स्टॉक बढ़कर 276.9 बिलियन डॉलर हो गया था। वहीं दूसरी तिमाही में एपल में ओमाहा नेब्रास्का बेस्ड ग्रुप बर्कशायर का निवेश 84.2 बिलियन डॉलर बचा था। पहली तिमाही के अंत में बफे के पास एपल के 135.4 बिलियन डॉलर के शेयर्स थे।

एस्पान्योल के खिलाफ 27 मैचों से अजेय

बार्सिलोना का दबदबा... एस्पान्योल को हराया

बार्सिलोना. एजेंसी

बार्सिलोना ने अपना दबदबा कायम रखते हुए स्पेनिश ला लीगा के इस सीजन में 11वीं जीत दर्ज करते हुए शीर्ष पर अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। बार्सिलोना की टीम ने अंकतालिका में रियाल मैड्रिड पर नौ अंकों की बढ़त बना ली है। दानी ओल्मो के दो गोल से बार्सिलोना ने रविवार देर रात यहां खेले गए मुकाबले में एस्पान्योल पर 3-1 से जीत हासिल कर ली। शीर्ष पर स्थिति बार्सिलोना के 11 जीत से 33 अंक हैं। रियाल मैड्रिड दूसरे नंबर पर है। बार्सिलोना की टीम एस्पान्योल के खिलाफ 27 मैचों से अजेय है। वहीं इस सीजन एस्पान्योल की टीम पिछले सात लीग मैचों में छह मुकाबले हार चुकी है। वह तालिका में 17वें स्थान पर है। इस मैच में बार्सिलोना के लिए दानी ओल्मो ने 12वें व 31वें मिनट में गोल दागे, वहीं एक गोल राफिन्हा ने 23वें मिनट में किया। एस्पान्योल के जावी पोआडो ने 63वें मिनट में गोल किया।

महिला शतरंज: दिव्या ने दर्ज की पहली जीत

श्यामकेंट (उज्बेकिस्तान). एजेंसी

भारत की दिव्या देशमुख ने यहां खेले जा रही महिला ग्रां प्री चेस चैंपियनशिप में अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने सोमवार को पांचवें दौर में मंगोलिया की खिलाड़ी मुंगुंटुल बटखुयाग को मात दी। हालांकि अनुभवी भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पांचवें दौर की बाजी में कजाकिस्तान की बिबिसारा असौयाबेया ने शिकस्त दी। हम्पी तालिका में तीसरे व दिव्या पाचवें स्थान पर हैं।

अल्जीरिया की महिला मुक्केबाज को लेकर खुलासा

जैविक तौर पर महिला नहीं पुरुष हैं ओलंपिक चैंपियन मुक्केबाज खलीफ

पेरिस. एजेंसी

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली अल्जीरिया की महिला मुक्केबाज इमाने खलीफ एक नए विवाद में फंस गई हैं। हाल में एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 25 वर्षीय इमाने खलीफ जैविक तौर पर महिला नहीं बल्कि पुरुष हैं। पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान भी इमाने खलीफ के जेंडर को लेकर विवाद उठा था। इन खेलों में इमाने ने 66 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीता था।

मेडिकल रिपोर्ट लीक

हाल ही में इमाने खलीफ की एक मेडिकल रिपोर्ट लीक हुई है, जो जून 2023 की है। यह मेडिकल रिपोर्ट पेरिस के क्रेमलिन-बिसेत्रे अस्पताल और अल्जीयर्स के मोहम्मद लैमिन डेबाघिन अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट को फ्रांस के एक पत्रकार ने लीक की है।

रिपोर्ट में लिखा है कि खलीफ के अंदर एक्सवाइ क्रोमोसोम हैं और वह जैविक रूप से पुरुष हैं। उनके अंदर कोई गर्भाशय नहीं है, जो महिलाओं में होता है। इसमें यह भी लिखा है कि खलीफ 5-अल्फा रिडक्टेस की कमी से प्रभावित हैं, जो यौन विकास का एक विकार है और यह सिर्फ जैविक पुरुषों में पाया जाता है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

तब्बू ने कहा था अजय की वजह से सिंगल हूं...

'मैं और अजय 25 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। वे मेरे कजन समीर आर्य के पड़ोसी और क्लोज फ्रेंड हुआ करते थे। जब मैं छोटी थी तो समीर और अजय मुझ पर कड़ी नजर रखते थे। जिस भी लड़के को मुझसे बात करते देखते, उसे पीट दिया करते थे। दोनों बहुत बड़े गुंडे थे। अगर आज मैं सिंगल हूं तो वो सिर्फ अजय देवगन की वजह से ही हूं।' तब्बू ने एक इंटरव्यू में मजाक में कही थी। तब्बू का अफेयर फिल्मी जगत के 3 लोगों से रहा है। सबसे पहले उनका नाम संजय कपूर से जुड़ा। फिर वे डायरेक्टर-प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ रिश्ते में रहीं। दोनों ने सगाई भी कर ली। हालांकि, दोनों का रिश्ता टूट गया। फिर उन्होंने शादीशुदा नागार्जुन को डेट किया, लेकिन उनके साथ भी तब्बू का रिश्ता मुकम्मल नहीं हो पाया। एक्ट्रेस न बनने की इच्छा रखने वाली तब्बू 39 साल से फिल्मी दुनिया में टॉप पर हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में उतनी ही अकेली भी। बचपन से ही वह सिर्फ मां और बहन के क्लोज रहीं। पिता का आज तक चेहरा नहीं देखा। यहां तक कि उन्हें पिता का सरनेम लगाना भी नागवारा है।

सुनाई दास्तां: जब मनीषा कोइराला को लगा कि वह मरने वाली हैं...

मनीषा कोइराला ने एक बातचीत में बताया कि उन्होंने कैंसर से कैसे जंग जीती। अभिनेत्री ने इलाज के दौरान के अनुभवों को भी साझा किया, जो दिल को झकझोर देने वाले हैं। मनीषा कोइराला ने बॉलीवुड में तीन दशकों से ज्यादा काम किया है। वह सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री के लाखों करोड़ों प्रशंसक हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट और सुपरहिट फिल्में दी। अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी में कई मुश्किल लड़ाइयां लड़ी हैं। उनमें से एक है उनका कैंसर से लड़ना। अभिनेत्री को वर्ष 2012 में 'ओवेरियन कैंसर' का पता चला। अभिनेत्री ने कहा, वर्ष 2012 में मुझे पता चला और मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह 'ओवेरियन कैंसर' का अंतिम चरण है। जब नेपाल में मुझे पता चला, तो मैं बहुत डरी हुई थी, जाहिर है, हर किसी की तरह, बहुत ज्यादा। हम जसलोक अस्पताल में थे। वहां भी जब डॉक्टर आए, दो, तीन डॉक्टर, बड़े डॉक्टर और मैंने उनसे बात की, तो मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं। मुझे लगा कि यह मेरा अंत है। हम न्यूयॉर्क गए थे और इलाज करवाया था।

कैंसर का पता चलने पर सदमा

हाल ही में अभिनेत्री ने कैंसर के साथ जूझने के अनुभवों को साझा किया। इस बारे में उन्होंने खुलकर बात की। एएनआई से बातचीत में मनीषा ने कहा कि जब उन्हें इसका पता चला तो उन्हें एक सदमा लगा। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें लगा कि वह मरने वाली हैं और यह उनके जीवन का अंत था। अंत में उनके परिवार ने न्यूयॉर्क में उनका इलाज करवाने का फैसला किया।

सिंघम के बाद कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे अजय

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म सिंघम 3 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में अजय बाजीराव सिंघम के किरदार से फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचा रहे हैं। सिंघम अगेन साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम की तीसरी किस्त है। वहीं अब अजय अपनी कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आने वाले हैं। अजय देवगन बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता हैं। उनकी फिल्मों की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस फिल्म में अजय देवगन का एक्शन अवतार एक बार नहीं बल्कि इसकी पिछली किस्तों में भी नजर आ चुका है। साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम, साल 2014 में रिलीज हुई सिंघम रिटर्न्स और साल 2024 में इसकी तीसरी किस्त सिंघम अगेन के नाम से रिलीज हुई है, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए आयाम हासिल कर रही है। वहीं अब अजय अपनी बाकी फिल्मों के सीक्वल में भी नजर आने वाले हैं। अजय देवगन ने सिंघम 3 में अपने धमाकेदार एक्शन से सभी को चौंका दिया है। यह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है। वहीं इस फिल्म के अलावा भी अजय कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे, जिनकी शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। इस लिस्ट में रेड 2, दे दे प्यार दे 2 और सन ऑफ सरदार 2 शामिल हैं। राजकुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित एक आगामी थ्रिलर फिल्म है। इसमें अजय देवगन के अलावा इलियाना डिक्रूज, रितेश देशमुख, वाणी कपूर, पूनम झावर और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

बीटिंग द रिट्रीट में ब्रास बैंड ने दिया संयम, अनुशासन और एकरूपता का परिचय

भोपाल। राजधानी स्थित लाल परेड मैदान पर बीटिंग रिट्रीट कार्यक्रम में पुलिस बैंड की सुमधुर संगीत प्रस्तुति दी। फोटो निर्मल व्यास

भोपाल। गणतंत्र दिवस समारोह का समापन बुधवार शाम बीटिंग द रिट्रीट के साथ हुआ। लाल परेड मैदान में आयोजित समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में पुलिस ब्रास बैंड के वादकों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से संयम, अनुशासन और एकरुपता का परिचय दिया। समारोह की शुरुआत में मुख्य अतिथि के आगमन पर पुलिस ब्रास बैंड ने धुन बजाकर उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि की अनुमति के बाद पुलिस ब्रास बैंड कॉन्सर्ट में देशभक्ति गीतों और फिल्मी गीतों की शानदार धुनें प्रस्तुत की गईं। निरीक्षक सुनील कटारे के नेतृत्व में वंदेमातरमह्व से शुरू हुआ धुनों का यह सिलसिला ऐ वतन वतन मेरे, पुकारता चला हूं मैं, ये शाम मस्तानी, गीतों की धुनों के साथ निरंतर आगे बढ़ता रहा। इस दौरान एक से बढ़कर एक संगीतमय प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को आनंदित कर दिया। कॉन्सर्ट के अंतिम चरण में जैसे ही जय हो गीत की धुन पुलिस ब्रास बैंड ने बजाई तो श्रोता झूम उठे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ गणतंत्र दिवस समारोह का समापन

बैंड डिस्प्ले में धुनों का मार्चपास्ट: पुलिस ब्रास बैंड कॉन्सर्ट के बाद बैंड डिस्प्ले का आयोजन किया गया। इसमें मास्ड बैंड, पुलिस पाइप बैंड, और पुलिस ब्रास बैंड के बाद पुन~ मास्ड बैंड ने प्रस्तुतियां दीं। इनमें फेनफेयर, क्विक मार्च, एंट्री मार्च, स्लो मार्च और एक्जिट मार्च में बैंड की धुनों पर मार्चपास्ट किया गया। सुमधुर गीतों की आकर्षक धुनों से श्रोता अभिभूत हो गए।

कंप्यूटर शॉप संचालक के हड़पे 11 लाख 55 हजार रुपए, शिकायत कराई दर्ज

उमरा भेजने एजेंसी संचालक समेत दर्जनभर लोगों से ठगी

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में एजेंसी का कमाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में उमरा पर भेजने के नाम पर कंप्यूटर शॉप संचालक से 11 लाख 55 हजार की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने संचालक की शिकायत पर ग्लोबल टूर एंड ट्रैवल्स एजेंसी के संचालक पर धोखाधड़ी व अमानत में खयानत की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार अहाता सिकंदर कुली ऐशबाग निवासी शाहबउद्दीन (33) की एमपी नगर में कम्प्यूटर शॉप है। उमरा की यात्रा पर परिवार समेत जाने के लिए उन्होंने मुर्गी बाजार जहांगीराबाद स्थित ग्लोबल टूर एंड ट्रेवल्स एजेंसी के संचालक अय्यूब खान से संपर्क किया।

कुछ दिन बाद संचालक ने उन्हें उमरा पर रवाना होने के लिए 22 जनवरी 2025 की तारीख तय कर दी। एजेंसी संचालक अय्यूब खान ने शाहबउद्दीन से परिवार के सभी 12 लोगों के हिसाब से पासपोर्ट सेवा, टिकिट व करेंसी एक्सचेंज के नाम पर 11 लाख 55 हजार रुपए ले लिए। बाद में साढ़े 3 लाख रुपए सिर्फ करेंसी एक्सचेंज के नाम पर लिए गए। पुलिस को दिए शिकायती आवेदन में फरियादी ने बताया कि उमरा पर जाने के लिए तारीख तय होने के बाद वह 18 जनवरी को ग्लोबल टूर एंड ट्रेवल्स के दफ्तर गए। वहां संचालक अय्यूब खान ने बताया कि उमरा पर जाने की आपकी तारीख बढ़ गई है। अब आप 26 जनवरी को उमरा के लिए रवाना हो सकेंगे। लेट होने की वजह पूछने पर अय्यूब खान ने बताया कि वहां थोड़ी दिक्कत चल रही है।

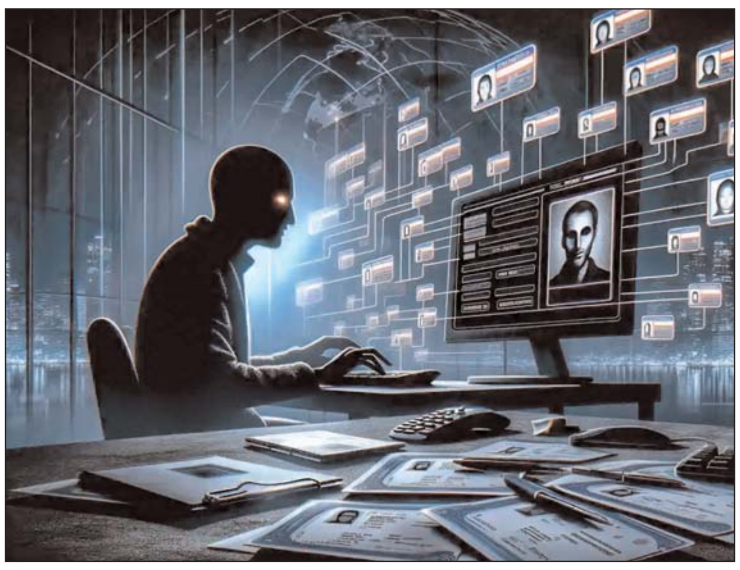

रुपए लौटाने से किया इंकार

शाहबउद्दीन ने बताया कि वह 23 जनवरी को ग्लोबल ट्रेलव्स एजेंसी के ऑफिस टिकिट, वीजा-पासपोर्ट आदि दस्तावेज लेने पहुंचे। तब अय्यूब खान ने कहा कि यह तारीख भी ब? सकती है। दिक्कत आ रही है टिकिट-वीजा की। तब फरियादी ने कहा कि हमने 3 महीने पूर्व बुकिंग करा ली थी। फिर टिकिट-वीजा में क्या दिक्कत आ रही है। संदेह होने पर शाहबउद्दीन ने कहा कि आप हमारे पैसे लौटा दो। तब आरोपी अय्यूब खान ने कहा कि ठीक हैं मैं देखता हूं। कुछ देर बाद कॉल कर अय्यूब खान ने कहा कि आगामी 27 जनवरी की तिथि तय हो गई है। आप सभी 12 सदस्य 27 जनवरी को उमरा के लिए रवाना हो सकेंगे।

25 जनवरी को शाहबउद्दीन और उनके परिवार के कुछ लोग ट्रेवल्स एजेंसी के ऑफिस सा? 3 लाख रुपए की करेंसी एक्सचेंज की मुद्रा लेने पहुंचे।

घर पर ताला लगाकर परिवार समेत फरार

अय्यूब खान ने उनसे कहा कि 26 जनवरी को वह करेंसी एक्सचेंज की मुद्रा और टिकिट, वीजा-पासपोर्ट आदि सभी दस्तावेज सौंप देगा। फरियादी 26 जनवरी की दोपहर ग्लोबल टूर एंड ट्रेवल्स के ऑफिस पहुंचे तो अय्यूब खान नहीं मिले। शाहबउद्दीन ने उनके चारों मोबाइल नंबर पर कॉल पर कॉल रिसीव नहीं हुआ। वे उनके निवास पहुंचे तो पता चला कि वह परिवार समेत फरार है।

जेवरात समेत ढाई लाख का माल बरामद, मोबाइल चुराकर ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

चलती ट्रेनों में यात्रियों का चुराते थे मोबाइल समेत सामान

भोपाल। यात्रियों के मोबाइल चोरी करने के बाद सिम निकालकर दूसरे मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन धोखाध?ी करने वाले 2 बदमाशों को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। यह दोनों चलती ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी कर लेते थे। गिरफ्तार आरोपियों से सोने-चांदी के जेवरात समेत करीब ढाई लाख रुपए का माल मिला है। आरोपियों ने अब तक कितनी वारदातों को अंजाम दिया है, इसको लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार फरियादी अनीस खान बीती 20 दिसंबर को जबलपुर अमरावती एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रहे थे।

इस दौरान बैतूल रेलवे स्टेशन निकलने के बाद उनका एक मोबाइल फोन चोरी हो गया था, जिसकी रिपोर्ट उन्होंने जीआरपी नागपुर में दर्ज कराई थी। केस डायरी आने के बाद जीआरपी आमला ने इस मामले में असल कायमी की थी। चोरी हुए अनीस खान के मोबाइल के माध्यम से ऑललाइन रुपए निकाले गए थे। इस पर जीआरपी ने उनके दोनों नंबरों की भोपाल सायबर सेल की मदद से ऑनलाइन ट्रॉजेक्शन करने वालों की जानकारी जुटाई। इसके बाद होशंगाबाद रेलवे स्टेशन से आरोपी लीलाधर रघुवंशी (27) और उसके साथी दुर्गेश कुशवाह (26) दोनों निवासी ग्राम कलमेशरा, थाना सोहागपुर जिला होशंगाबाद को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से कुल 25 हजार रुपए नकद बरामद हुए। थाने लाकर पूछताछ पर कई अन्य वारादातों का खुलासा हुआ।

इस तरह करते थे वारदात

पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर चोरी का मोबाइल फोन, सिमकार्ड, सोने-चांदी के जेवरात समेत करीब ढाई लाख रुपए से ज्यादा का माल बरामद हुआ। सिम निकालकर करते थे फ्रॉड प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह मोबाइल चोरी करने के बाद उन्हें तुरंत ही स्विचऑफ कर लेते थे। उसके बाद सिम निकालकर दूसरे मोबाइल पर डाल देते थे। उसके बाद इन्हीं चोरी की सिमों के माध्यम से फोन-पे, गूगल-पे तथा अन्य ऑनलाइन ट्रॉजेक्शन के माध्यम से रुपये निकाल लेते थे। जीआरपी ने आरोपियों के खिलाफ चोरी के साथ ही धोखाधड़ी की धाराएं बढ़ाई हैं।

गोविंदपुरा में युवक की हत्या, नाले में फेंकी लाश

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित इंद्रानगर झुग्गीबस्ती के पास नाले से पुलिस ने एक युवक की लाश बरामद की है। स्थानीय लोगों ने लाश देखकर उसकी उसकी पहचान फईम खान निवासी इंद्रानगर झुग्गीबस्ती के रूप में कर ली। उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे, जबकि लाश करीब दो दिन पुरानी होने की आशंका है। पुलिस का अनुमान है कि फईम की हत्या करने के बाद उसकी लाश नाले में फेंकी गई है। फईम का आपराधिक रिकार्ड बताया जा रहा है। वह महिला संबंधी मामलों में दो बार जेल भी जा चुका था।

कुंभ से लौट रहे थे दंपती, ट्रेन से गिरा पति, मौत

भोपाल। सूखीसेवनिया स्थित कल्याणपुर रेलवे ट्रैक पर चलती ट्रेन से गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह प्रयागराज से पत्नी के साथ कुंभ स्नान कर लौट रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रधान आरक्षक प्रदीप किरार ने बताया कि कल्ला वंशकार पिता गोखली वंशकार (40) कैंची छोला में रहता था और हम्माली करता था। कल्ला पत्नी के साथ प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए गया था। वहां से दंपती छतरपुर लौटे। छतरपुर से महामना एक्सप्रेस से दोनों भोपाल लौट रहे थे। जनरल कोच में दंपती बैठे थे। रात करीब 11 बजे के आसपास ट्रेन सूखीसेवनिया स्थित कल्याणपुर ब्रिज के पास पहुंची थी। इस दौरान कोच के गेट के पास बैठा कल्ला वंशकार नीचे गिर गया। उसे एंबुलेंस की मदद से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान मंगलवार शाम कल्ला की मौत हो गई।

3 दर्जन नशेड़ियों पर पुलिस कार्रवाई

भोपाल। सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अयोध्या नगर पुलिस ने बीते 10 दिनों के भीतर कुल 36 नशेड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इसके साथ ही एमपी नगर संभाग में करीब 48 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शहर के अन्य थानों में भी खुले में शराब का सेवन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस उपायुक्त जोन क्रमांक-2 डॉ. संजय अग्रवाल ने पिछले दिनों सभी थाना प्रभारियों की बैठक ली थी। इस दौरान उन्होंने शराब दुकानों के आसपास तथा सार्वजनिक स्थानों, पार्कों और सड़क किनारे शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के तहत अयोध्या नगर थाना पुलिस ने पिछले दस दिनों भीतर तीन दर्जन से ज्यादा लोगों को खुले स्थान पर शराब पीते हुए पकड़ा। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही टीटी नगर, रातीबड़, गोविंदपुरा, मिसरोद, खजूरी सड़क थाना पुलिस ने भी सार्वजनि स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

तस्कर से 30 हजार की चरस जब्त

भोपाल। ऐशबाग पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखा मादर्क पदार्थ चरस जब्त किया है। जब्त हुए चरस की कीमत 30 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात करीब दस बजे सूचना मिली कि रेलवे पटरी बरखेड़ी फाटक के पास एक व्यक्ति मादक पदार्त बेचने की फिराक में घूम रहा है। पुलिस पूछताछ में युवक ने अपना नाम फरहान उर्फ चिकना (32) निवासी जनता क्वार्टर ऐशबाग बताया। हाथ में लिए पन्नी को खोलकर देखा गया तो उसने अंदर 102 ग्राम चरस रखी हुई थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी से बरामद हुई चरस की कीमत 30 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी शातिर बदमाश है। आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मवेशी से टकराए बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

भोपाल। अवधपुरी थाने के सामने मवेशी से टकराकर घायल हुए बाइक सवार बुजुर्ग सिविल ठेकेदार की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा करीब 25 दिन पूर्व पुलिस थाने के सामने हुआ था। इसके बाद से ही उनका एम्स में इलाज चल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार ऊषा प्रभा कॉलोनी निवासी 60 साल खेत्रोवासी ठेकेदार थे और सिविल के ठेके लेते थे। गत 3 जनवरी को वह बाइक से अवधपुरी थाने के सामने से निकल रहे थे, तभी सड़क पर मौजूद मवेशी से उनकी बाइक टकरा गई।

मेट्रो एंकर — भीलट देव और धरमकुंडी के बीच चांदनी नदी के पुल के पास हुई दुर्घटना

ट्रक, कार और बाइक टकराने से 3 की मौत, 1 गंभीर

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

बुधवार की रात करीब 10 और 11 बजे के बीच भीलट देव और धर्मकुडी के बीच एक अनियंत्रित ट्रक ने कार को टक्कर मारकर बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। इस एक्सीडेंट में तीन लोगों की मृत्यु हो गई है जबकि एक। गंभीर रूप से घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी लगते ही थाना प्रभारी अनूप सिंह उईके घटनास्थल पर पहुंचे जहां पर घायलों को पुलिस मोबाइल से अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है कि ट्रक धरम कुंडी से सिवनी मालवा की ओर आ रहा था तो बलेनो कार सिवनी मालवा से धरम कुंडी की ओर जा रही थी। इसी दौरान यादव ढाबे के पास अह दुर्घघटना हुई मोटरसाइकिल सवार ग्राम बघवाड़ा के सुशील लोवंशी उम्र 40 वर्ष की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वहीं बाइक सवार रामकृष्ण बलाई उम्र 28 वर्ष को अस्पताल जाते समय रास्ते में दम तोड़ दी तो दूसरी ओर कार में सवार राधेश्याम को गंभीर अवस्था में रात में ही जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन उन्होंने भी रास्ते में दम तोड़ दिया वहीं कर में सवार रमन बाई का जिला अस्पताल में गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है।

बताया जाता हैं कि ट्रक ने कार और बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद सड़क से नीचे उतर गया। इसी वक्त ट्रक ने बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया दुर्घटना के बाद जनपद सदस्य शेर सिंह और उनकी टीम ढाबे पर काम करने वाले लोग और निकलने वाले यात्रियों ने मदद कर प्रभावित लोगों को वाहनों से निकला। जानकारी मिलने के तुरंत बाद एसडीओपी राजू रजक और थाना प्रभारी अनूप सिंह उईके पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी अनूप सिंह उइके के अनुसार, बाइक सवारों की पहचान रामकृष्णा (28) और सुशील लौवंशी (40) के रूप में हुई है। दोनों बघवाड़ा, सतवासा कॉलोनी के रहने वाले थे। ट्रक में सीमेंट भरा हुआ था। हादसे के बाद ड्राइवर और हेल्पर ट्रक छोड़कर भाग गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

बाइक सवार दो युवक बघवाड़ा के पास कॉलोनी निवासी थे

एक्सीडेंट के बाद ट्रक ड्राइवर और क्लीनर मौके से फरार

8वीं की छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर मारपीट

भोपाल। महिला थाना पुलिस ने आठवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर मारपीट करने वाले मनचले के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी पिछले करीब साढ़े तीन महीने से छात्रा को परेशान कर रहा था। समझाईश के बाद भी जब उसकी हरकतें बंद नहीं हुई तो परेशान होकर किशोरी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। जानकारी के अनुसार चूनाभट्टी इलाके में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी आठवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले करीब सा? तीन महीने से उसी इलाके में रहने वाला अर्जुन नामक युवक उसे परेशान कर रहा था। वह स्कूल आते-जाते समय पीछा कर अश्लील कमेंट्स करता था। चार दिन पहले अर्जुन ने किशोरी के साथ हरकत की तो पी?िता ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। परिजनों ने अर्जुन को समझाया तो उसने बोला कि वह आगे से इस प्रकार की कोई हरकत नहीं करेगा।

लैब टेक्नीशियन से दुष्कर्म झांसा देकर हड़पे तीन लाख

शादी से इनकार, युवती ने दूसरे से शादी की, करने लगा ब्लैकमेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार रोड पुलिस ने महिला लैब टेक्नीशियन की शिकायत पर कथित प्रेमी के खिलाफ बलात्कार व ब्लैकमेल समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। दोनों की मुलाकात मेट्रोमोनियल साइट पर हुई थी। बाद में शादी का झांसा देकर आरोपी दुष्कर्म करने लगा। इस बीच पारिवारिक परेशानियां बताकर आरोपी ने पीड़िता से तीन लाख रुपए भी हड़प लिए। पिछले दिनों आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। तंग आकर पीड़िता ने किसी दूसरे से शादी कर ली तो आरोपी उस पर दोबारा संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। प्रकरण दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से उत्तर प्रदेश निवासी 27 साल की युवती एक निजी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन हैं। अप्रैल 2024 में मेट्रोमोनियल साइट पर युवती की मुलाकात विनय कुमार नामक युवक से हुई। विनय रूद्राक्ष अस्पताल के पास कोलार इलाके में किराए के मकान में रहता है और मूलरूप से गया बिहार का रहने वाला है। मेट्रोमोनियल साइट पर मुलाकात होने के बाद दोनों के बीच मोबाइल पर बात होने लगी। दोनों शादी के लिए तैयार हो गए और उनके परिजनों को भी इसकी जानकारी थी। पुलिस ने बताया कि इस बीच आरोपी ने 24 अप्रैल 2024 को आरोपी विनय ने बहाने से युवती को अपने घर बुलाकर संबंध स्थापित किए। करीब नौ माह तक युवती का शारीरिक शोषण करने के बाद आरोपी विनय ने शादी से इनकार कर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022